हिंदी बालभारती

दूसरी कक्षा

निःशुल्क वितरण के लिए

टेली मानस हेल्पलाइन

Tele MANAS (Tele Mental Health Assistance and Networking Across States)

(१४४१६/१८००-८९-१४४१६)

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना 'टेली मानस' महाराष्ट्र राज्य में अक्तूबर २०२२ से कार्यान्वित की गई है। 'टेली मानस' कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबर १४४१६ द्वारा निःशुल्क एकात्मिक और सर्वसमावेशक मानसिक स्वास्थ्य सेवा २४x७ प्रदान की जाती है। इसमें विविध मानसिक समस्याओं के लिए विशेषज्ञों द्वारा उपचार और समुपदेशन किया जाता है। 'टेली मानस' हेल्पलाइन पर आपके द्वारा दी गई जानकारी को पूर्णतः गोपनीय रखा जाता है। इस कारण विद्यार्थी अपनी समस्याएँ हेल्प लाइन नंबर पर कॉल करके निःसंकोच बताएँ तथा मन में उत्पन्न किसी भी शंका के संबंध में पूछकर उसके निराकरण और अपनी समस्या से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त करें और अन्य लोगों को भी इस सुविधा का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करें।

मनोदर्पण

शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत जुलाई २०२० से मनोदर्पण (८४४८४४०६३२) हेल्पलाइन की निःशुल्क दूरध्वनि सेवा आरंभ की गई है। यह सुविधा विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान करने हेतु प्रतिदिन प्रातः ८ बजे से संध्या ८ बजे की कालावधि में उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक हेल्पलाइन पर संपर्क करके मार्गदर्शन एवं समुपदेशन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे निर्मित पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करके उनके द्‌वारा पाठ्यपुस्तक की जाँच की गई है। शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.०४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया। दि. ०१.०४.२०२६ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई है।

हिंदी बालभारती
दूसरी कक्षा

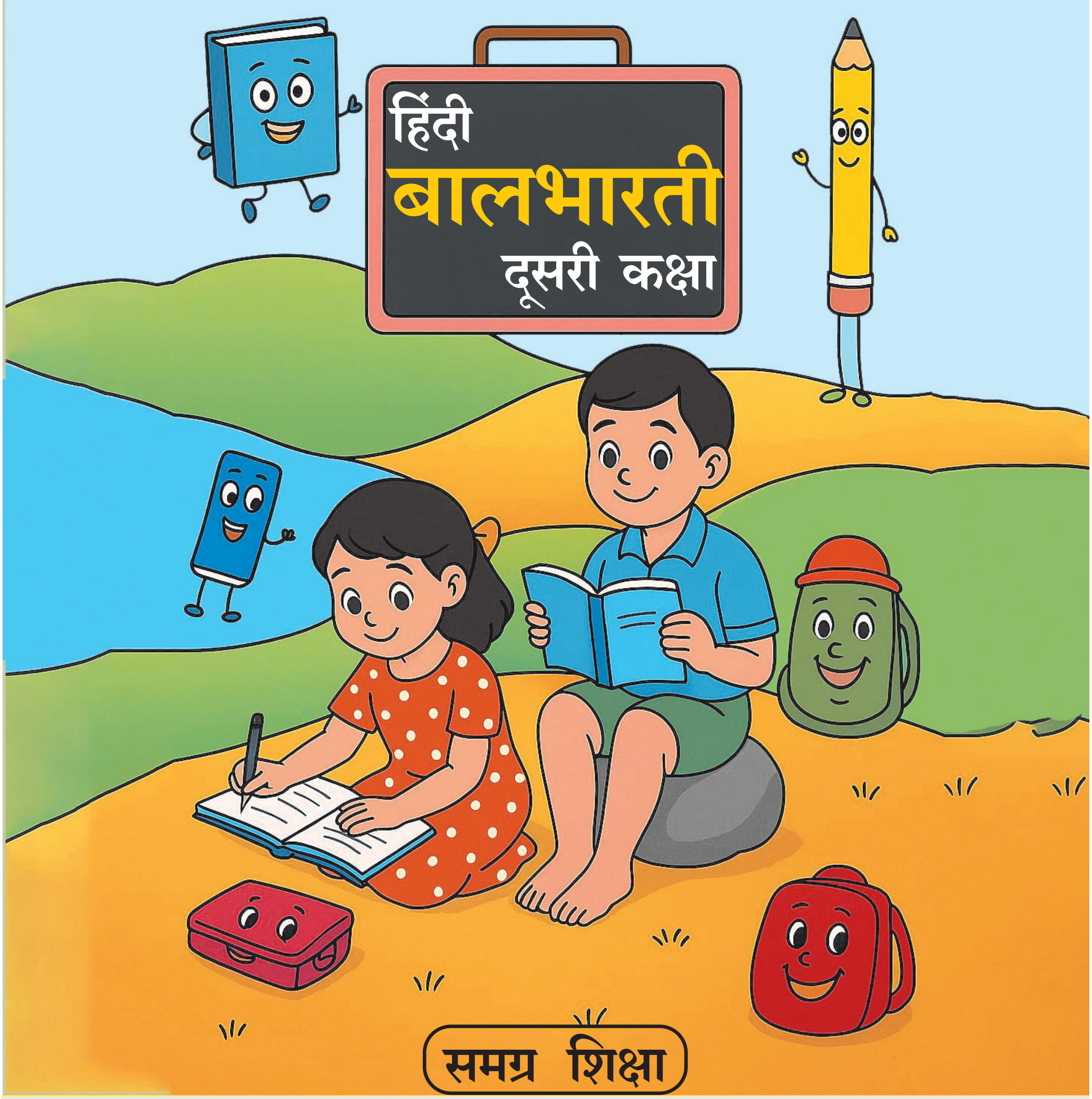

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-४११००४

चौखट में दिए गए Q.R.Code को स्मार्ट फोन द्‌वारा स्कैन करने पर तुम्हें डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यपुस्तक में दिए घटकों से संबंधित दृक, श्राव्य एवं दृकश्राव्य रूप में अध्ययन-अध्यापन सामग्री भी उपलब्ध होगी।

प्रथमावृत्ति : २०२६

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे ४११ ००४.

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

✻ हिंदी समिति सदस्य ✻

प्रा. अनुया दळवी, अध्यक्ष (प्राथमिक हिंदी)

श्री रामहित यादव, निमंत्रित सदस्य

डॉ प्रमोद शुक्ल, निमंत्रित सदस्य

श्री भुमेश्वर कटरे, सदस्य

श्री जितेंद्र गवळी, सदस्य

श्री जयप्रकाश सूर्यवंशी, सदस्य

श्री सुनील बी. यादव, सदस्य

श्री माताचरण मिश्रा, सदस्य

श्रीमती गीता जोशी, सदस्य

डॉ. निर्मला राजपूत, सदस्य

श्री अनिल अंबुले, सदस्य

श्रीमती जसवंत कौर पड्डा, सदस्य

अब्दुल रज्जाक शाह, सदस्य

डॉ. पूनम शिंदे, सदस्य

श्रीमती अश्विनी मुदिराज, सदस्य

श्री नंदुलाल पवार, सदस्य

श्री समीर जाधव, सदस्य

डॉ. ममता मेहता, सदस्य

श्रीमती अलका वर्मा, सदस्य

श्री ता. का. सूर्यवंशी, निमंत्रित सदस्य

प्रा. मैनोद्दीन मुल्ला, निमंत्रित सदस्य

प्रा. शशि निघोजकर, निमंत्रित सदस्य

सौ. रंजना पिंगळे, निमंत्रित सदस्य

सौ. रजनी म्हैसाळकर, निमंत्रित सदस्य

सौ. वृंदा कुलकर्णी, निमंत्रित सदस्य

डॉ. संदिप मुळे, अभ्यासक्रम समन्वयक

डॉ. अलका पोतदार– सदस्य सचिव

✻ संयोजक ✻

डॉ. अलका पोतदार

विशेषाधिकारी हिंदी भाषा (वि.का.)

पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ : श्री भटु बागले

चित्रकार : सौ. शिल्पा दीक्षित, लक्ष्मीकांत काळे, भाग्यश्री पराडकर

अक्षरांकन : मुद्रा विभाग, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव

मुद्रणादेश : N/PB/2026-27/(25,500)

मुद्रक :

✻ निर्मिति ✻

श्रीमती मिताली शितप

प्र. मुख्य निर्मिति अधिकारी

श्री राजेंद्र पांडलोसकर

निर्मिति अधिकारी

✻ गुणवत्ता समीक्षक ✻

श्री संजय भारद्वाज (गुणवत्ता परीक्षक)

श्री नरेंद्र लडकत (विधि तज्ञ)

श्रीमती दिव्या नायर (CWSN तज्ञ)

✻ प्रकाशक ✻

श्री हेमंत बाबर

प्र. नियंत्रक

पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ,

प्रभादेवी, मुंबई–२५

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

भारत का संविधान
भाग ४ क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद ५१ क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(घ) देश की रक्षा करें और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक हैं, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयुवाले अपने, यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

राष्ट्रगान

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय बाल मित्रो!

तुम सबका दूसरी कक्षा में हार्दिक स्वागत! 'हिंदी बालभारती' दूसरी कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक तुम्हारे हाथों में सौंपते हुए बहुत खुशी हो रही है।

पहली कक्षा में हिंदी वर्णमाला के व्यंजन और स्वरचिह्नों से तुम शब्द तैयार करने लगे हो। 'वाचनपाठ' के माध्यम से तुमने अच्छी तरह से हिंदी बोलना, पढ़ना और लिखना सीख लिया है। दूसरी कक्षा में तुम्हें बहुत सारी नई बातें सीखनी हैं।

हिंदी बालभारती दूसरी कक्षा की इस पाठ्यपुस्तक के चित्रवर्णन, गीत, कविता, पाठ, कहानियाँ, चित्रकथा, शब्दसंपत्ति पर आधारित भाषाई खेल, भाषाई पहेलियाँ, कृतियाँ आदि को तुम्हें नये ढंग से सीखना है। पाठ्यपुस्तक में आशय के अनुरूप दिए गए विभिन्न चित्रों का निरीक्षण करके अपने मित्र/सहेलियों के साथ चर्चा करनी है और उनपर बातचीत भी करनी है। प्रत्येक चित्र में दर्शाई गईं बारीकियाँ भी ध्यान से देखनी हैं। तुम्हें पसंद आएँगे; ऐसे अनेक आकर्षक एवं सजीव चित्र भी पाठ्यपुस्तक में दिए गए हैं। इन चित्रों द्‌वारा हिंदी भाषा की तुम्हारी पढ़ाई अधिक आनंददायी एवं मनोरंजक होने वाली है। पाठ्यपुस्तक की कविताओं को तुम अभिनय एवं लय-ताल के साथ गा सकोगे। इन कविताओं को एकल या समूह में प्रस्तुत करते हुए तुम्हें बहुत आनंद आएगा।

पाठ्यपुस्तक के विविधतापूर्ण पाठों द्‌वारा तुम्हें नई-नई पाठ्यसामग्री का आकलन करना है। पाठ सुनते, समझते एवं व्यक्त करते हुए तुम निश्चित ही खुशी से झूम उठोगे। पाठों में आए विविध विषय तुम्हारे ज्ञान में अधिकाधिक वृद्‌धि करने वाले, साथ-ही-साथ भरपूर आनंद भी देने वाले हैं।

कविताएँ और पाठों में दिए गए स्वाध्याय भी तुम्हारी विचारशक्ति को गति देने वाले हैं। इन स्वाध्यायों द्‌वारा तुम्हें सोचने के लिए भरपूर अवसर दिए गए हैं। शब्दसंपत्ति पर आधारित विविध पहेलियाँ, खेल, कृतियों के माध्यम से तुम अनेक नये शब्द सीखोगे। इससे तुम्हारी शब्दसंपत्ति में निश्चित ही वृद्‌धि होगी।

तुम सब कल्पनाशील, बुद्‌धिमान विद्‌यार्थी हो। दूसरी कक्षा की इस पाठ्यपुस्तक का अध्ययन करते हुए तुम्हें आनंद आएगा।

तुम सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

(अनुराधा ओक)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

पुणे
दिनांक : १९ अप्रैल २०२६
भारतीय सौर दिनांक : २ वैशाख शु. शके १९४८, अक्षय तृतीया

भाषा संबंधी अध्ययन निष्पत्ति : प्रथम भाषा हिंदी (दूसरी)

यह अपेक्षा है कि दूसरी कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा संबंधी निम्नलिखित अध्ययन निष्पत्तियाँ विकसित हों।

उद्देश	क्षमता	सीखने का प्रतिफल	पृष्ठ क्रमांक
1	C 9.1	विशिष्ट प्रकार के गीत और कविताएँ सुनने में रुचि दिखाता है और अपनी पसंद की वजह बताता है।	८, १०, १२, २८, ३०, ३९, ५८
2	C 9.1.2	स्मृति से कई छंदोंवाले गीत गाता/कविता सुनाता है। (०२ से ०३ छंदोंवाले गीत-कविता)	१०, १२, २०, २१, २८, ३०, ३४, ४०, ४८, ४९, ५८, ६०, ६६, ६७, ७७
3	C 9.2	अपने शब्दों में स्वतंत्र रूप से छोटी कविताएँ/तुकबंदियाँ बनाता है।	११, २८, ३०, ४०, ४१, ४३, ५०, ६०, ६६, ७६
4	C 9.3	✲ तरह-तरह के भाषाई आदान-प्रदान में भी बातचीत के सूत्र को बनाए रखता है। ✲ किसी विषय पर चर्चा में भाग लेता है । सवाल उठाता है और सवालों के जवाब देता है।	१, २, ३, ७, ११, १२, १४, १६, १७, १८, २१, २५, २६, २७, २९, ३०, ३२, ३३, ३४, ३७, ४०, ४५, ४६, ४७, ४९, ५२, ५३, ५४, ५६, ५९, ६०, ६५, ६७, ७०, ७१, ७३, ७४, ७६, ७७
5	C 9.4	✲ सशर्त विभाजनों (Conditional branching) वाले निर्देशों का पालन करता है। (यदि बारिश हो रही है तो पौधों को पानी मत दो, उसके बजाय घास निकालो, अगर बारिश न हो तभी पौधों को पानी दो।) ✲ स्पष्ट निर्देश देता है, जिसमें गणित शामिल हो। (जैसे - दिशाएँ, स्थान और समय संबंधी आयाम।)	१६, १९, २०, २१, ४४, ४७, ५१, ५३, ६१, ६३, ७१, ७२
6	C 9.5	✲ लेखक की कहानी लिखने के पीछे की प्रेरणाओं को समझता है और खुद को लेखक के रूप में कल्पना करके कहानी को दोबारा कहता है। ✲ कहानी सुनाते समय पूरक बारीकियाँ बताता है। जैसे : चूहे को एक चिथड़ा मिल गया, वह चिथड़ा बहुत गंदा था । वह धूल से भरा हुआ था। ✲ सुनी हुई कहानी में आपको क्या पसंद आया और क्या पसंद नहीं आया? स्पष्ट करता है।	१५, १७, १८, १९, २३, ३२, ३८, ५१, ५३, ५६, ५७, ६८, ७३, ७४, ७५
7	C 9.6	जटिल कथानकों और कई पात्रों के साथ खुद की कहानियाँ बनाता है। (समूह में)	२, ४५, ५७, ७३
8	C 9.7	पाठों में आए अपरिचित शब्दों का अर्थ जानने के लिए 'बाल शब्दकोश' का उपयोग करता है।	१८, ५०, ५६, ५९, ६७
9	C 10.1	✲ अक्षरों को स्वर और व्यंजन में विभाजित करता है। ✲ शब्दों के प्रारंभिक और अंतिम अक्षर को पहचानता है ।	४, ५, ६, ११, १२, १५, २२, २३, ३८, ४३, ५३, ६८
10	C 10.2	✲ सरल शब्द बनाने के लिए २-३ अक्षर ध्वनियाँ जोड़ता है।	१४, २९, ४१, ४२, ४३, ४४, ५४, ५७, ५९, ६१, ७१, ७४
11	C 10.2.2	✲ सामान्य विरामचिह्नों (पूर्णविराम, प्रश्नचिह्न) का सही उपयोग करता है। ✲ सामान्य उपयोग में आने वाले दृश्य शब्दों उपवाक्य, सर्वनाम, संयुक्त व्यंजनों को पहचानता है ।	९, २४, ३२, ४९, ५३, ५५, ५६, ५९, ६२, ६७, ६८, ७९
12	C 10.3	✲ परिचित शब्द बनाने के लिए ध्वनियाँ (स्वर और व्यंजन) जोड़ता है। ✲ कई अक्षरोंवाले शब्दों (व्यंजन समूहों सहित) और गैर-शब्दों (Non-words) को सटीक ढंग से पढ़ता है।	११, २४, ३७, ५०, ५७, ६१, ७१

13	C 10.4	✲ उपयुक्त लय, विराम और आवाज में उतार-चढ़ाव के साथ छोटे गद्यांशों को शुद्ध और धाराप्रवाह ढंग से पढ़ता है ।	१३, १५, १९, २२, २३, २६, ३०, ३३, ३६, ३८, ५२, ५४, ५५, ६०, ७०, ७२, ७३, ७८
14	C 10.5	✲ स्वतंत्र रूप से ऐसी किताबें पढ़ना शुरू करता है, जिनमें दृश्य सामग्री की तुलना में अधिक पाठ्य सामग्री होती है। ✲ कथा के कथानकों, पात्रों, घटनाक्रमों को पहचानता है एवं लेखक का दृष्टिकोण ध्यान में रखकर पढ़ता है ।	१७, २६, ७७, ७८
15	C 10.6	छोटी कविताएँ पढ़ता है और कवि की कल्पनाओं का अनुमान लगाता है।	२९, ३५, ४०, ४१, ४८, ६६
16	C 10.7	छोटे-छोटे समाचार और प्रचार के पर्चे पढ़ता है और उनकी अंतर्वस्तु की व्याख्या करता है।	३१, ३२, ३७, ७२, ७४
17	C 10.8	✲ चित्रों के आधार पर चित्र वर्णन या कथा लेखन पारंपरिक लिपि में करता है। अपने अनुमान के आधार पर चित्रपुस्तक से कहानी लिखता है। ✲ घटना एवं अनुभव का वर्णन करने के लिए छोटे वाक्य लिखता है।	१४, २९, ३३, ३७, ४२, ४५, ५०, ५१, ६२, ६३, ६४, ६९, ७२, ७५, ७७, ७८, ७९, ८०
18	C 10.8.2	छोटे वाक्यों का श्रुतलेखन करता है।	३२, ३९, ५०, ५८, ६८, ७१, ७९
19	C 10.8.3	चित्रों का क्रम बताता हैं एवं उनके साथ छोटे वाक्य अचूक तरीके से लिखता है।	१८, २१, २५, २७, ४९, ६३, ६४, ६५
20	C 10.8.4	चित्र पुस्तिका से अनुमान लगाकर कहानी लिखता है।	२७, ६२, ६४
21	10.9	तरह-तरह की कथा और गैर कथा, दोनों तरह की किताबों में दिलचस्पी दिखाता है और उन्हें पढ़ता है।	१४, ३६, ५५, ७०
22	C 10.9.2	विद्यालय के पुस्तकालय की पुस्तकों का खयाल रखता है तथा सुव्यवस्थित रखता है।	१३, १४, १५, ३६

शिक्षकों/अभिभावकों और सुलभकों से बातचीत...

प्रिय शिक्षको/अभिभावको और सुलभको!

- सर्वप्रथम संपूर्ण पाठ्यपुस्तक का आकलन सहित वाचन करें।
- किसी पाठ का अध्यापन करने से पहले उसके नीचे दिए गए अध्यापन संकेतों को भली-भाँति समझकर उनका पालन करें।
- पाठ्यपुस्तक में आए प्रतीक चिह्नों को समझकर विद्यार्थियों को समझाएँ। अध्ययन अध्यापन करते समय विशेष बच्चों के लिए सांकेतिक चिह्नों की भाषा एवं अन्य पूरक अध्यापन पद्धति का उपोग करें। उन्हें जिस पद्धति से संभव हो उस पद्धति से व्यक्त होने का अवसर दें। सभी विद्यार्थियों के साथ उन्हें समान अवसर प्रदान करें। समय-समय पर प्रोत्साहन दें।
- ध्यान दें कि पुस्तक में दी गई संपूर्ण पाठ्यसामग्री का उद्देश्य, अध्ययन अनुभवों द्वारा भाषाई कौशलों एवं क्षमताओं के विकास के साथ पाठ के आशयों के अनुसार मूल्यों, संस्कारों और जीवन कौशलों का विकास करना है।
- 'पूर्वानुभव', 'देखो, सुनो और बताओ', 'आओ बनाओ', 'पढ़ो, समझो और लिखो', 'चर्चा करो', 'मिलकर गाओ', 'अंतर बताओ' आदि सभी पाठ, कृतियाँ एवं स्वाध्याय आनंददायी वातावरण में ही पूर्ण कराएँ।
- कविता, कहानी एवं संवाद आदि का अध्ययन अनुभव देते समय उचित उच्चारण, हाव-भाव, लय-ताल, आरोह-अवरोह आदि का ध्यान दें एवं आवश्यकतानुसार उपयुक्त शैक्षणिक सामग्री का उपयोग अवश्य करें।
- अध्ययन-अध्यापन के समय पाठों में समाविष्ट अध्ययन क्षमताओं और निष्पत्तियों पर ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। विद्यार्थियों में इनका विकास होना आवश्यक है।
- ध्यान दें कि इस पाठ्यपुस्तक के पाठों में पूछे गए प्रश्न उन्हीं पाठों तक सीमित नहीं हैं। विद्यार्थियों की कल्पना एवं विचारशक्ति के विकास हेतु पाठ को आधार बनाकर पाठेतर प्रश्न भी पूछे गए हैं। इनके अभ्यास पर विशेष ध्यान दें।
- विश्वास है कि आप सभी अध्ययन-अध्यापन में इस पाठ्यपुस्तक का कौशलपूर्वक उपयोग करेंगे और विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं आत्मीयता जागृत करने में सहयोग देंगे।

विषयसूची

पहली इकाई

१. हम	१
२. वृक्षारोपण	२
३. काले बादल	१०
४. पुस्तकालय	१३
५. गुब्बारा	१७
६. इंद्रधनुष	२०
❀ पुनरावर्तन – १ ❀	२३

दूसरी इकाई

१. मौसम	२५
२. सहायता	२६
३. मेरी माँ	२८
४. प्रदर्शनी	३१
५. सीख	३६
६. नींद	३९
❀ पुनरावर्तन – २ ❀	४३

तीसरी इकाई

१. स्वच्छता	४५
२. विविध खेल	४६
३. संदेश	४८
४. निर्मल जल	५२
५. आईना	५५
६. एक पेड़	५८
❀ पुनरावर्तन – ३ ❀	६१

चौथी इकाई

१. दिशाएँ	६३
२. ऐसे बनें मित्र	६४
३. चलते रहना	६६
४. फलों का दरबार	७०
५. बुद्‌धिमान खरगोश	७३
६. देश हमारा	७६
❀ पुनरावर्तन – ४ ❀	७९

प्रतीक चिह्न

सुनो बताओ पढ़ो बातचीत करो लिखो कृति करो गाओ अभिनय करो सांकेतिक भाषा

पूर्वानुभव : सुनो और बताओ :

पहली इकाई

निःशुल्क वितरण के लिए

१ हम

प्रणाम! आओ-आओ शेकू कैसे हो? पिछले साल हम मिले थे।

नमस्ते! मैं अच्छा हूँ। इस साल भी साथ रहेंगे। नई -नई बातें सीखेंगे।

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराएँ। तितली और शेकरू के बीच हुए संवाद सुनाएँ। पिछली कक्षा में वर्षभर उन्हें कैसा लगा, इसपर विस्तार से बातचीत करें। उन्हें बारी-बारी से बोलने के लिए प्रेरित करें। परिचित विविध परिस्थितियों का निर्माण करके प्रश्न पूछें। जैसे- तुम छुट्‌टियों में कहाँ गए थे? तुमने क्या-क्या किया? वहाँ कौन-कौन-से प्राणी देखे? आदि। आवश्यकतानुसार सांकेतिक चिह्न का उपयोग करें।

देखो, पहचानो और चर्चा करो :

२ वृक्षारोपण

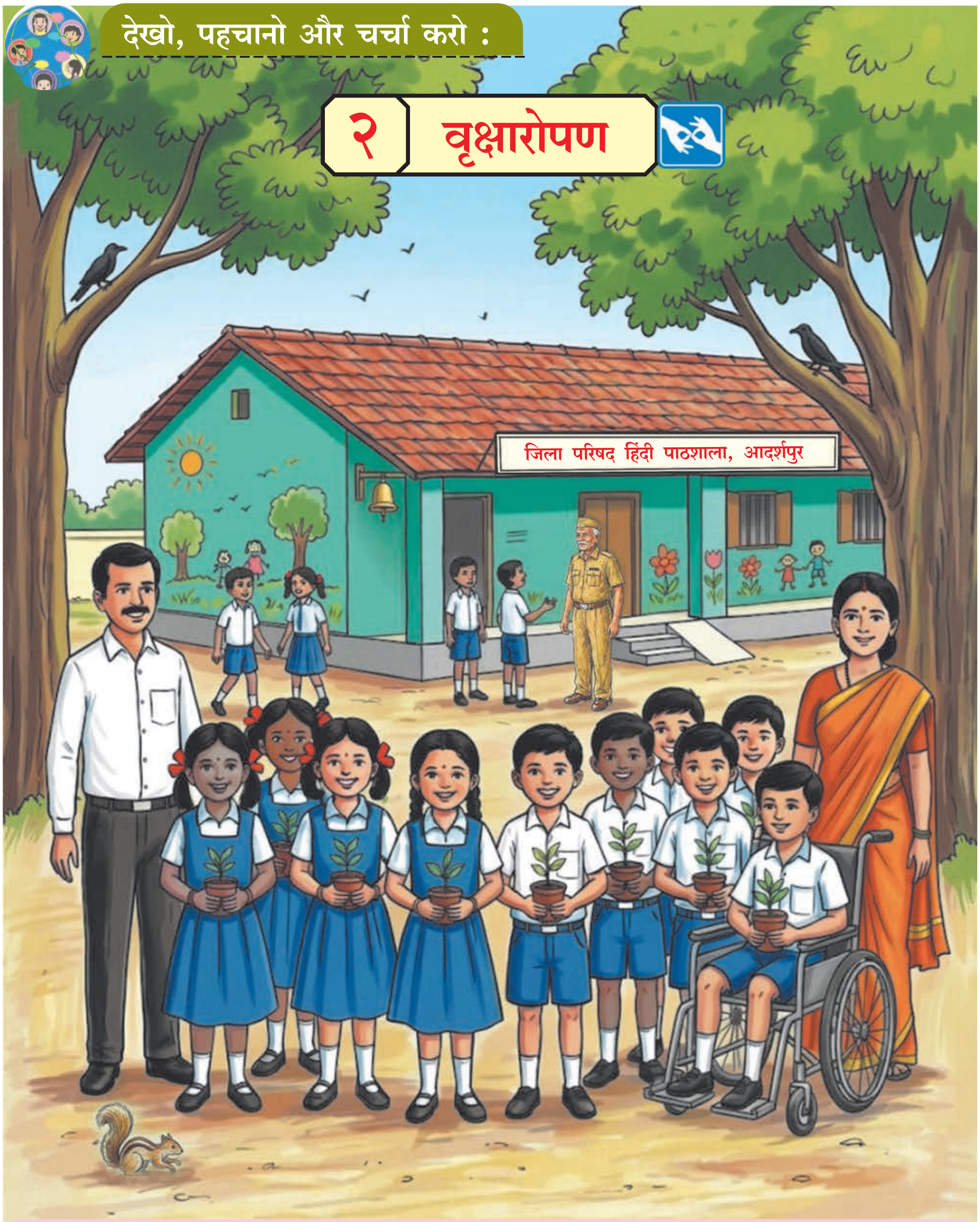

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। वृक्षारोपण की आवश्यकता, देखभाल आदि पर प्रश्न पूछें और उत्तर प्राप्त करें। जैसे- तुमने कौन-कौन-से पौधे लगाए हैं? पौधे क्यों लगाने चाहिए? आदि। समूह बनाकर इस संदर्भ में उनके अनुभव पूछें। अच्छे ढंग से संवाद करने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा करें। चित्र के आधार पर कहानी बनाकर सुनाने के लिए कहें; जिसमें अधिक पात्र हों, उनके नाम हों और अलग-अलग काम भी कर रहे हों। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रवृत्त करें।

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों को घोषवाक्य सुनाएँ और उनसे दोहरवा लें। उनके अर्थ समझाकर दैनिक जीवन में उपयोग करने हेतु उन्हें प्रोत्साहित करें। इसी प्रकार के विविध घोषवाक्यों का संग्रह करवाएँ तथा एक-दूसरे से बदलकर पढ़ने के लिए कहें। पेड़ों और उनके पत्तों की पहचान करवाएँ। चित्र देखकर प्रत्येक विद्‌यार्थी को उनके मन में उठने वाले प्रश्न पूछने के लिए कहें। विद्‌यार्थियों के मौलिक प्रश्नों को अंकित करें। विशेष विद्‌यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।

आओ बनाओ :

(*) स्वरों और व्यंजनों का उचित क्रम लगाते हुए बिंदु के पास अगला स्वर और व्यंजन लिखकर चित्र पूर्ण करो :

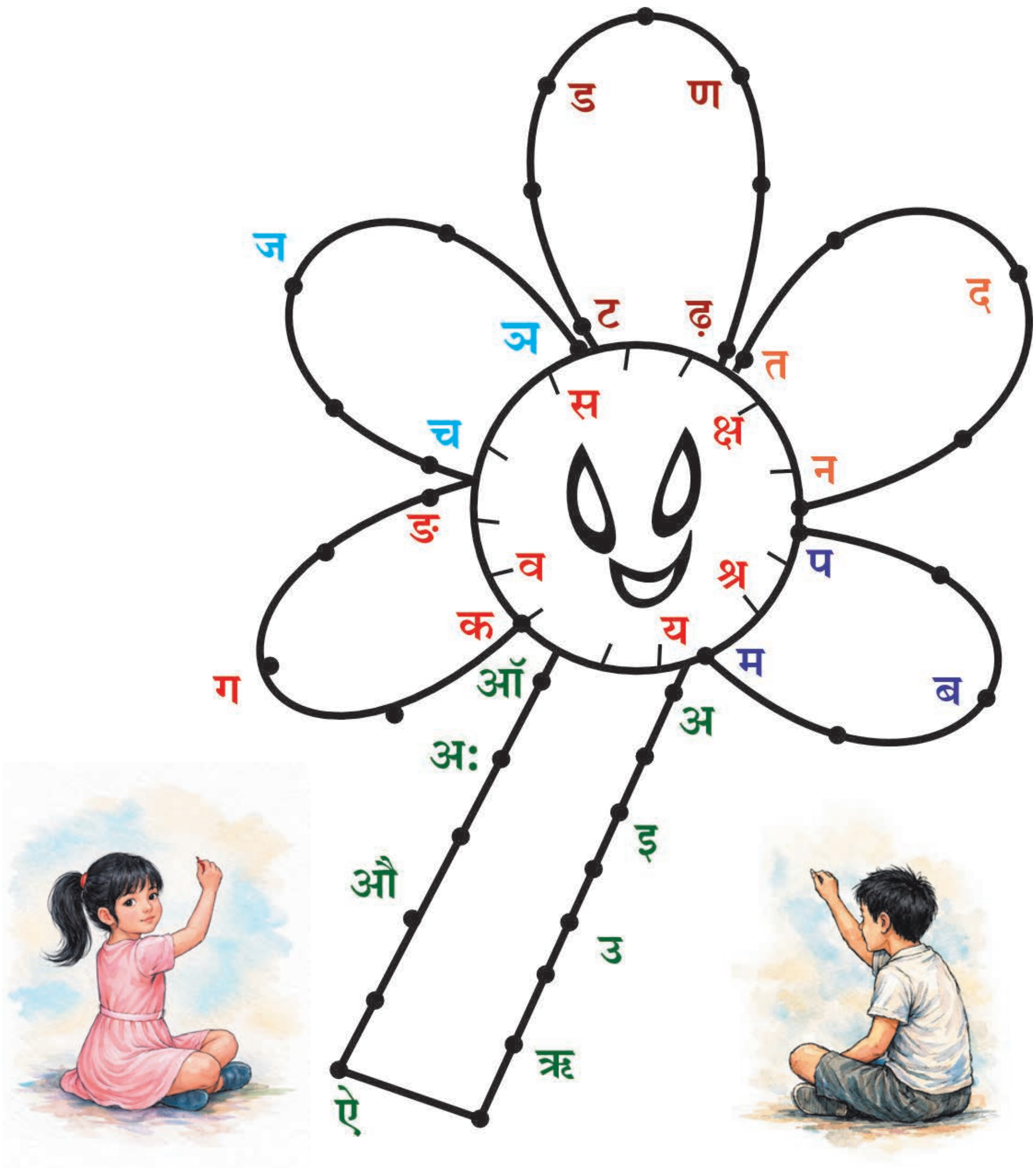

अध्यापन संकेत : दिए गए चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। स्वर एवं व्यंजन अलग करके सुनाएँ। उनपर चर्चा करें। दिए गए स्वर एवं व्यंजन के बिंदुओं को वर्णमाला के क्रम से विद्यार्थियों से पढ़वाकर लिखने के लिए सूचित करें। उनसे चित्र में रंग भरने के लिए कहें। ऐसे ही अन्य चित्र बनाकर पूरी वर्णमाला का अभ्यास करवाएँ।

पढ़ो, समझो और बनाओ :

(*) शब्द पढ़ो और किसी भी व्यंजन में स्वर चिह्न (मात्राएँ) लगाकर शब्द बनाओ :

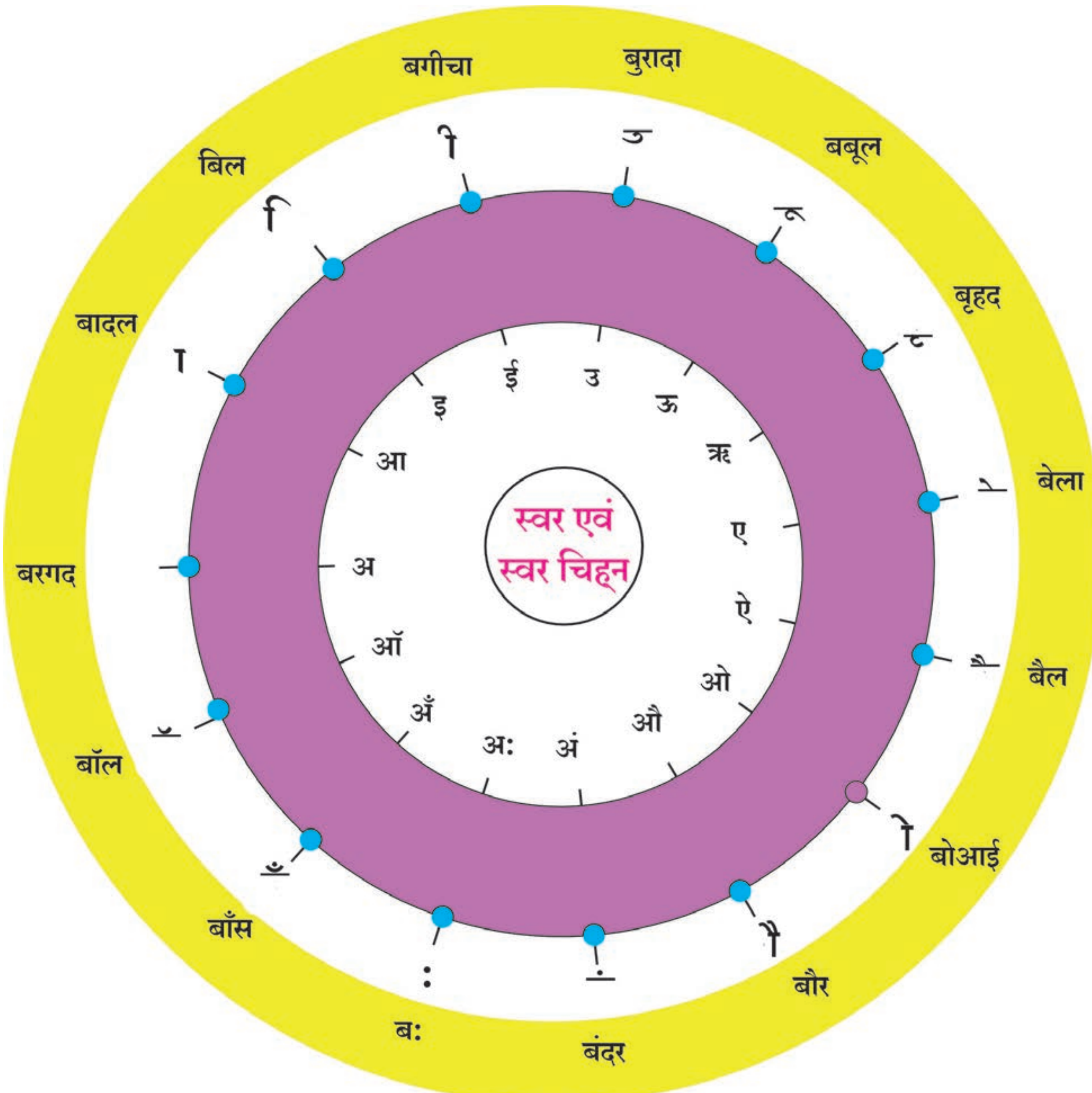

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से ऊपर दिए गए मात्रा/चिह्नों पर चर्चा करें। मात्रा/चिह्नों को समझाएँ और पढ़वाएँ। शब्द का प्रारंभिक और अंतिम अक्षर पहचानने के लिए कहें। 'अ' का स्वर चिह्न नहीं होता है। अन्य व्यंजनों पर मात्रा/चिह्न लगाकर उनसे सार्थक शब्द बनाने का अभ्यास कराएँ।

सुनो, समझो और लिखो :

सैर अक्षरों की

कल बच्चों की सैर गोंदिया जिले के नवेगाँव बाँध जाने वाली है। कक्षा में शिक्षिका ने सूचना दी कि हम बगीचे में वनभोजन के लिए जाएँगे। पौधे भी लगाएँगे।

सैर में शामिल होने वाले बच्चों के नाम इस प्रकार हैं-पंकज, शंखेश, कंगना, संघमित्रा, कंचन, कांछी, अंजुम, जुंझन, चिंटू, नीलकंठ, पांडु, पंढरी, भगवंत, एंथनी, चंदन, संध्या, चंपा, गुंफी, अंबा और शांभवी।

शिक्षिका ने विद्‌यार्थियों को समय पर आने की सूचना दी। वहाँ सभी को अपना-अपना परिचय पत्र लेकर आना है। सभी बच्चे मन में सैर का उत्साह लिए अपने-अपने घर की ओर चल पड़े।

* सैर के लिए जाने वाली लड़कियों और लड़कों के नाम बताओ।

अध्यापन संकेत : क, च, ट, त, प वर्ग के पंचमाक्षर ङ, ञ, ण, न, म हैं। ये पंचमाक्षर अपने ही वर्ग के शेष चार अक्षरों में से किसी भी अक्षर से मिले तो अनुस्वार उसके पहलेवाले अक्षर पर लगता है। उदा.- शंख (शङ्ख), 'क' वर्ग का पंचमाक्षर 'ङ' अक्षर अनुस्वार के रूप में पहले अक्षर 'श' पर लगता है। नियम न बताते हुए केवल उदाहरण द्‌वारा अभ्यास करवाएँ। पंचमाक्षरयुक्त शब्दों का सामूहिक अनुकरण एवं मुखर वाचन कराएँ। प्रत्येक विद्‌यार्थी को मौन वाचन करने का अवसर दें। उनसे पंचमाक्षर के प्रयोग पर चर्चा करें एवं समझाएँ। पाठ्‌यपुस्तक में आए हुए पंचमाक्षरयुक्त शब्दों को ढूँढ़ने के लिए कहें और उनका लेखन करवाएँ।

पढ़ो और लिखो :

मेरा परिचय

मैं .... हूँ।

मेरा नाम .... है।

मेरी माँ का नाम .... है।

मेरे पिता जी का नाम .... है।

घर में हम सभी दादा जी और दादी जी के साथ रहते हैं।

मेरे भाई/बहनों के नाम ...., ... हैं।

मेरे पिता जी .... करते हैं। (नौकरी/व्यवसाय)

मेरी माँ .... करती हैं।

मेरे घर में प्यारे ...., ... भी हैं। (प्राणी)

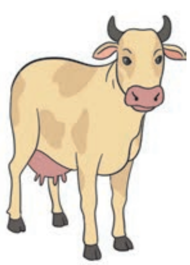

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों को अपना परिचय देने के लिए रिक्त स्थानों पर कौन-सी जानकारी होनी आवश्यक है, यह पढ़कर इस संबंध में चर्चा करने के लिए कहें। उन्हें मौखिक रूप में अपना परिचय देने के लिए कहें। प्रत्येक विद्‌यार्थी से पाठ में दिए मुद्‌दों के आधार पर माता-पिता, दादा-दादी और भाई-बहन के फोटो चिपकाकर कॉपी में उनके रिश्तों के नाम लिखवाएँ।

मिलकर गाओ :

आनंदमयी कविता

– रमेशचंद्र शाह

ना–धिन–धिन्नी,
पढ़ती है मुन्नी।
ता–ता थैया,
आ जा भैया।

ता थई, ता थई,
ना भई, ना भई,
धा–धा–धा–धा
अब क्या होगा?

धिरकिट–धिरकिट,
गिरगिट! गिरगिट!

अध्यापन संकेत : उचित हाव–भाव, लय–ताल के साथ कविता सुनाएँ और उसका वाचन करें। विद्यार्थियों से कविता का सामूहिक गायन कराएँ। कविता में आए लयात्मक शब्दों का विद्यार्थियों से व्यक्तिगत उच्चारण कराएँ। इसी प्रकार की अन्य कविताएँ सुनने में रुचि दिखाने के लिए प्रेरित करें। कविता पसंद आने का कारण बताने के लिए कहें।

धा-धीना-धीना-धीना,
वो देखो दीनू, बीना,
ना तिन्ना तिरकिट तान,
कहना तू मेरा मान।

धिरकिट-धिरकिट धिन धा,
जाऊँगा मैं वहाँ,
तिरकिट-तिरकिट तिन ता,
चल जा तू झटपट आ।

ना तिन तिन्ना धिन धिन्ना,
बस्ता रखकर दौड़े मुन्ना।

अध्यापन संकेत : कविता में आए तुकांत शब्दों की जोड़ियों को रेखांकित करने के लिए कहें। कविता का अभिनयसहित गायन करवाएँ। कविता में आए पूर्णविराम और प्रश्नचिह्न का अभ्यास कराएँ और पहचानने के लिए कहें।

सुनो और मिलकर गाओ :

३ काले बादल

– अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

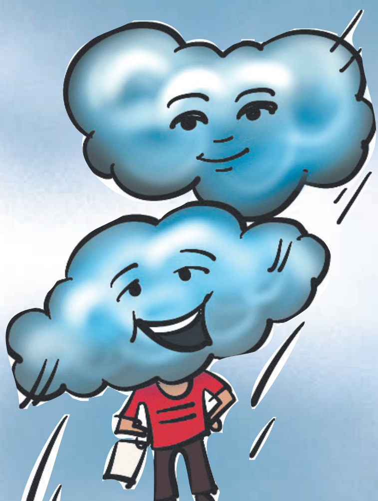

बन सैलानी, लेकर पानी,
फिर आए हैं काले बादल,
रोब जमाते, शोर मचाते,
घिर आए हैं काले बादल।

हाथापाई मत कर भाई,
खेल कर रहे काले बादल,
हाथ मिलाकर, गले लगाकर,
मेल कर रहे काले बादल।

अध्यापन संकेत : कविता का सस्वर वाचन करें और विद्यार्थियों से दोहरवा लें। कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ। इसी प्रकार की छोटी-छोटी अन्य रोचक कविताएँ सुनाएँ। उनके द्‌वारा कविता गुनगुनाने पर वह उन्हें क्यों पसंद आई, इसका कारण पूछें और चर्चा करें। विद्यार्थियों को अपनी मनचाही कविता सुनाने के लिए प्रेरित करें और प्रत्येक को अवसर दें। बादल की तरह भाई-बहन, मित्र की कल्पना करवाएँ। मिलकर रहने के लाभ बताएँ। कविता पढ़कर उसका अनुलेखन करवाएँ। अन्य कविता बुलवाएँ।

आओ करें

(१) तुकांतवाले शब्द सुनो और दोहराओ। ऐसे ही अन्य शब्दों से छोटी कविता बनाओ :

सैलानी–पानी	जमाते–मचाते	पाई–भाई	मिलकर–खिलकर

....

....

....

....

(२) समझो और बताओ :

(क) पानी लेकर कौन आया?

(ख) बादल क्या–क्या कर रहे हैं?

(ग) हमें पानी कहाँ–कहाँ–से मिलता है?

(घ) यदि भाई–बहन, मित्र लड़ते हों तो तुम उन्हें कैसे समझाओगे?

(३) वर्णमाला के स्वर और व्यंजनों का क्रम लगाकर पढ़ो। रिक्त स्थान में उचित क्रमानुसार अक्षर लिखो। बिंदुओं को जोड़ो। बनने वाले चित्र का नाम लिखो। इन अक्षरों से उचित शब्द बनाओ :

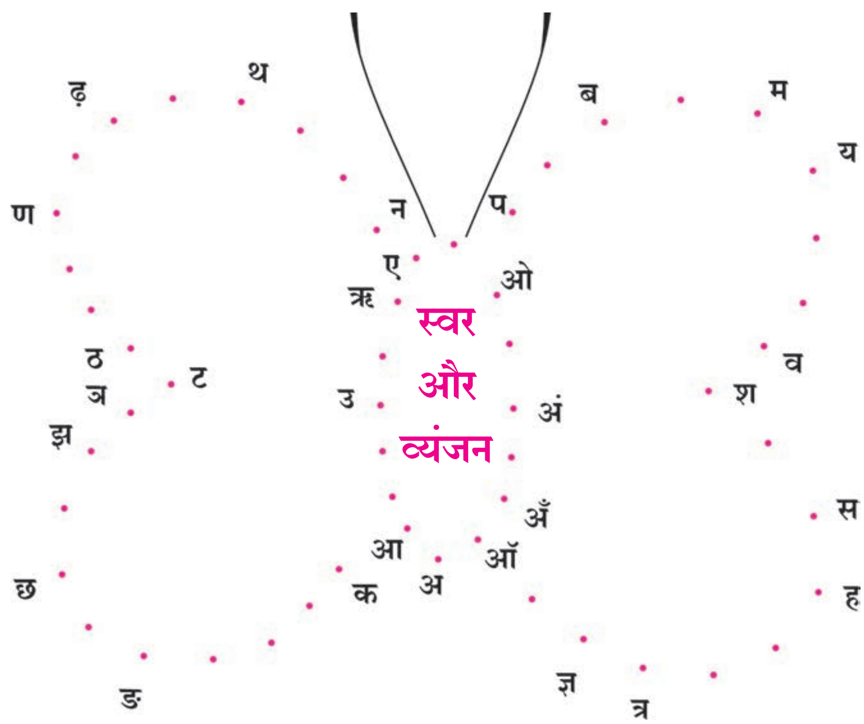

चित्र का नाम : ....

(४) नीचे दिए गए अक्षरों में से स्वर और व्यंजन अलग करके लिखो :

ए छ य ई द ष उ ठ औ म क अँ

स्वर .... व्यंजन ....

....

(५) नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरकर समूह में चर्चा करो :

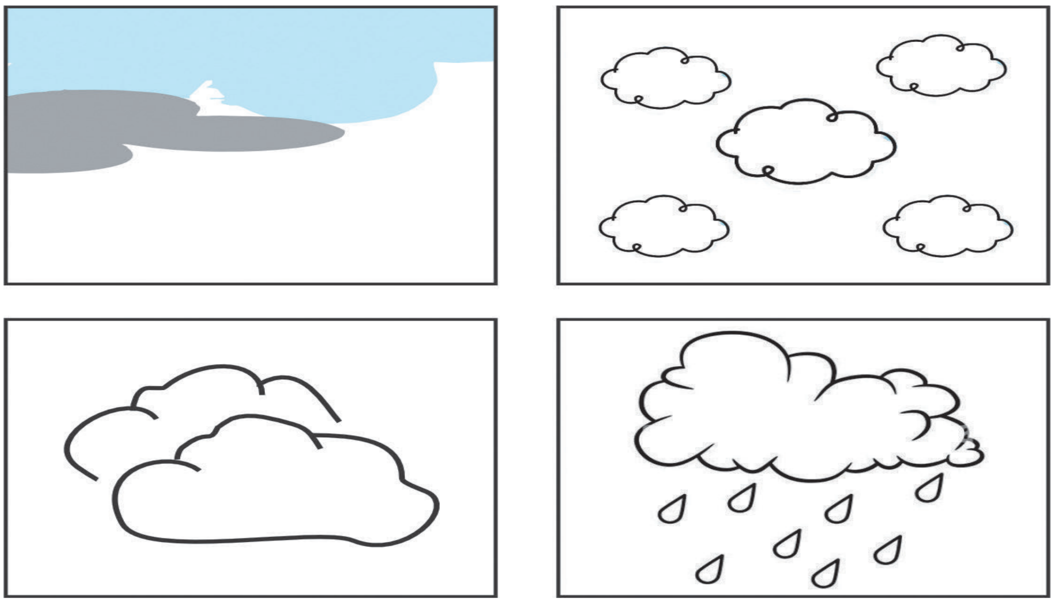

बातचीत

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों को कृतियाँ करने में सहायता करें।

सुनो और बताओ :

४ पुस्तकालय

त्रिवेणी : दादा जी! आप पुस्तकें कहाँ से लाते हैं?

दादा जी : मैं पुस्तकालय से पुस्तकें लाता हूँ।

मैत्रेय : क्या वहाँ कहानी की पुस्तकें भी हैं?

दादा जी : हाँ, हैं। तुम दोनों अपने हाथों से बना पुष्पगुच्छ लेकर चलो।
(तीनों पुस्तकालय जाते हैं।)

मैत्रेय : दादा जी, यहाँ कितनी शांति है।

दादा जी : यहाँ ऊँची आवाज में बात करना मना है।

त्रिवेणी : (आश्चर्य से) दादा जी! यहाँ तो बहुत सारी पुस्तकें हैं।

दादा जी : यहाँ सभी भाषाओं की पुस्तकें और पत्रिकाएँ व्यवस्थित रखी जाती हैं।

मैत्रेय : मैं भी यहाँ से पुस्तकें ले जाया करूँगा।

दादा जी : तुम्हें इन्हें सँभालकर रखना और पढ़ना होगा।

दोनों एक साथ : हम उनपर कुछ नहीं लिखेंगे। चित्र भी नहीं फाड़ेंगे।

दादा जी : वाह! तुम दोनों तो बहुत समझदार हो।

त्रिवेणी : धन्यवाद, दादा जी।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त संवाद उचित आरोह-अवरोह के साथ सुनाएँ और दोहरवा लें। विद्‌यार्थियों से मौन वाचन करवाएँ। पाठ के आशय पर बातचीत करें। पुस्तकालय और पुस्तकों की देखभाल पर चर्चा करें। पुस्तक वाचन में रुचि निर्माण करने के लिए 'वाचन कोना' विकसित करें। विभिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

आओ करें

(१) दिए गए अक्षर सुनो। चौखट में दिए अक्षरों से प्रत्येक का उपयोग करते हुए नये शब्द बनाओ :

ड / ड़ा / ढ / ढ़ा

प ला ग ई न क र ही

जैसे – डर, कड़ाही, ..., ..., ...

................., ..., ...

(२) समझो और बताओ :

(क) पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें होती हैं?

(ख) दादा जी पुस्तकें कहाँ-से लाते हैं?

(ग) पुस्तकालय में शांति क्यों होनी चाहिए?

(घ) पुस्तकों की देख-भाल हमें कैसे करनी चाहिए?

(३) किसी बाल पत्रिका से एक पसंदीदा कहानी चुनकर पढ़ो।

(४) अपने अनुभव के आधार पर पुस्तकालय के बारे में पाँच छोटे-छोटे वाक्य लिखो :

....

....

....

....

....

(५) नीचे दिए गए अधूरे शब्दों के प्रारंभ या अंत में 'न' अक्षर जोड़कर नये शब्द बनाकर लिखो :

न

- लिनी ....
- शिरी ....
- र्मदा ....
- विहा ....
- हुष ....
- जामु ....
- म्रता ....
- चौको ....

पढ़ो, समझो और बताओ :

पुस्तकों से हमें ज्ञान मिलता है। पुस्तकें हमारी मित्र हैं। इनसे शब्दों का भंडार बढ़ता है। इनसे हमारा ज्ञान बढ़ता है। मोबाइल और टी.वी. से अच्छी मित्र पुस्तकें ही हैं। पुस्तकें मनोरंजन का खजाना हैं। आओ, मिलकर पुस्तकों से दोस्ती बढ़ाते हैं। पढ़ोगे तो आगे बढ़ोगे।

(च) पुस्तकों से हमें क्या मिलता है?

(छ) शब्दों का भंडार किससे बढ़ता है?

पुस्तक से पढ़ी हुई कोई एक कहानी अपने शब्दों में सुनाओ।

बातचीत

पाठशाला के पुस्तकालय की पुस्तकों की देख-भाल तुम कैसे करते हो, बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‍यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। पुस्तकालय में विशेष विद्‍यार्थियों की सहायता करें।

आओ बनाओ :

पुष्पगुच्छ

सामग्री :

मोटा धागा

१ रंगीन कागज

२ रंगीन फीते

पलाश या बादाम का १ पत्ता

अशोक के ५ पत्ते

गेंदे के ३ फूल

आम के ६ पत्ते

गुलाब के ४ फूल

कृति : (१) पलाश या बादाम के पत्ते को पोंछ लो।

(२) आम के पत्ते लो। उनसे सटकर गुलाब के फूलों को बाँधो।

(३) गेंदे के फूलों के पीछे अशोक के पत्ते रखकर फूलों के साथ बाँधो।

(४) पलाश के पत्ते के आगे इन गुच्छों को एक साथ बाँधो।

(५) अब नीचे रंगीन कागज लपेटकर बाँधो।

(६) इसके बाद पुष्पगुच्छ को सजाने के लिए दो रंगीन फीते बाँधो। तैयार हो गया अब तुम्हारा पुष्पगुच्छ!

अध्यापन संकेत : पुष्पगुच्छ बनाने में लगने वाली सामग्री पर बातचीत करें। फूल और पत्ते मँगवाकर ऊपर दी गई कृति के निर्देशों को सुनकर उनका पालन कराते हुए विद्यार्थियों से पुष्पगुच्छ बनवाएँ। फूल और पत्ते तोड़ने से मना करें। इसी तरह रंगीन धागों से राखी और रंगों से रंगोली बनवाएँ। उनसे गणित की संख्याएँ अक्षरों में कहलवाएँ। अन्य गणितीय खेलों का आयोजन करके खेलने के अधिकाधिक अवसर प्रदान करें। प्रत्यक्ष कृतियाँ करवाते समय स्थान और दिशा का परिचय कराएँ तथा निर्देशों का पालन करवाएँ।

सुनो और समझो :

५ गुब्बारा

गुलाबी रंग का एक गुब्बारा उड़ रहा था। उसके बगल में एक चंचल नन्ही गौरैया उड़ रही थी। पत्ते के पीछे से सुंदर पंखोंवाली तितली निकली और बोली – ''हम भी तुम्हारे साथ चलेंगे।'' अब सभी साथ-साथ उड़ने लगे।

ठंडी हवा चल रही थी। चारों ओर सुगंध फैली थी। वहाँ पेड़ के नीचे एक छोटा बच्चा रो रहा था। गुब्बारे ने उससे पूछा, ''क्यों रो रहे हो ?'' बच्चे ने उत्तर दिया, ''मैं किसके साथ खेलूँ?''

''तुम मेरे साथ खेलो।'' गुब्बारा पेड़ के नीचे बच्चे की गोद में आ गिरा। गौरैया और तितली बोलीं, ''हम भी साथ में खेलेंगे।'' बच्चा आनंद से खिल उठा।

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह, उच्चारण के साथ विद्यार्थियों को कहानी सुनाएँ। उन्हें कहानी समझाकर पात्र, घटनाक्रम के अनुसार अपने शब्दों में कहानी सुनाने के लिए कहें। उन्हें कहानी में क्या पसंद आया, लेखक कहानी के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते हैं, पूछें। ऐसी ही छोटी कहानियाँ चुनकर बच्चों को पढ़ने का अवसर दें। समूह चर्चा के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिक्रिया प्राप्त करें और सही प्रतिक्रिया की प्रशंसा करें। प्रतिक्रियाओं की तालिका बनाकर उन्हें अंकित करें। जिस तरह से गुब्बारे ने लड़के का दुख समझा, उसी तरह उन्हें भी एक-दूसरे का दुख-दर्द समझने के लिए प्रेरित करें।

आओ करें

(१) सुनी/पढ़ी हुई तेनालीराम की कोई एक कहानी पूरक बारीकियों के साथ कक्षा में सुनाओ ।

(२) किसने-किससे कहा, बताओ। क्यों कहा होगा, इसपर चर्चा करो :

(क) ''हम भी तुम्हारे साथ चलेंगे।''

(ख) ''क्यों रो रहे हो?''

(ग) ''हम भी साथ में खेलेंगे।''

(घ) ''तुम मेरे साथ खेलो।''

(३) नीचे दिए गए नये शब्दों के अर्थ बाल शब्दकोश की सहायता से ढूँढ़कर लिखो :

बगल	शोर	वृक्ष	सैलानी	चंचल
....	....	....	....	....

(४) देखो, समझो और उचित क्रम बताकर दी गई चौखट में क्रमांक और प्रत्येक चित्र के लिए एक वाक्य लिखो :

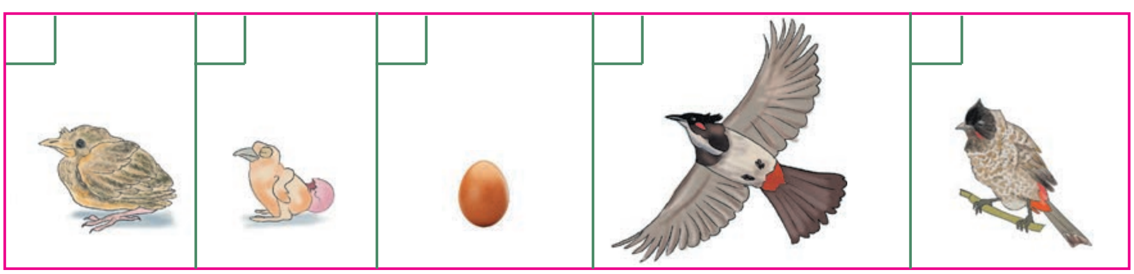

....

....

....

(५) नीचे दिए हुए गणितीय आकार पहचानने के लिए अपने मित्र को दिशा और स्थान से जुड़े स्पष्ट निर्देश दो :

जैसे- डिब्बे में पराठा रखो।

L.O. No. C 10.4

पढ़ो, समझो और बताओ :

तितली अपने रंग-बिरंगे पंखों से सबका मन मोह लेती है। वह फूलों पर मँड़राती है। उसे फूलों के रस का स्वाद बहुत भाता है। बच्चे तितलियों के पीछे दौड़ते हैं। बड़े लोग भी तितली के रंगों को देखते रहते हैं। तितली बहुत कोमल होती है। उसे पकड़ना नहीं चाहिए।

(च) तितली सबका मन किससे मोह लेती है?

(छ) तितली को क्यों पकड़ना नहीं चाहिए?

बातचीत

इस कहानी से तुमने क्या सीखा, बताओ।

पढ़ी हुई कहानी तुम्हें क्यों पसंद आई, बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

सुनो और मिलकर गाओ :

६ इंद्रधनुष

– *घमंडीलाल अग्रवाल*

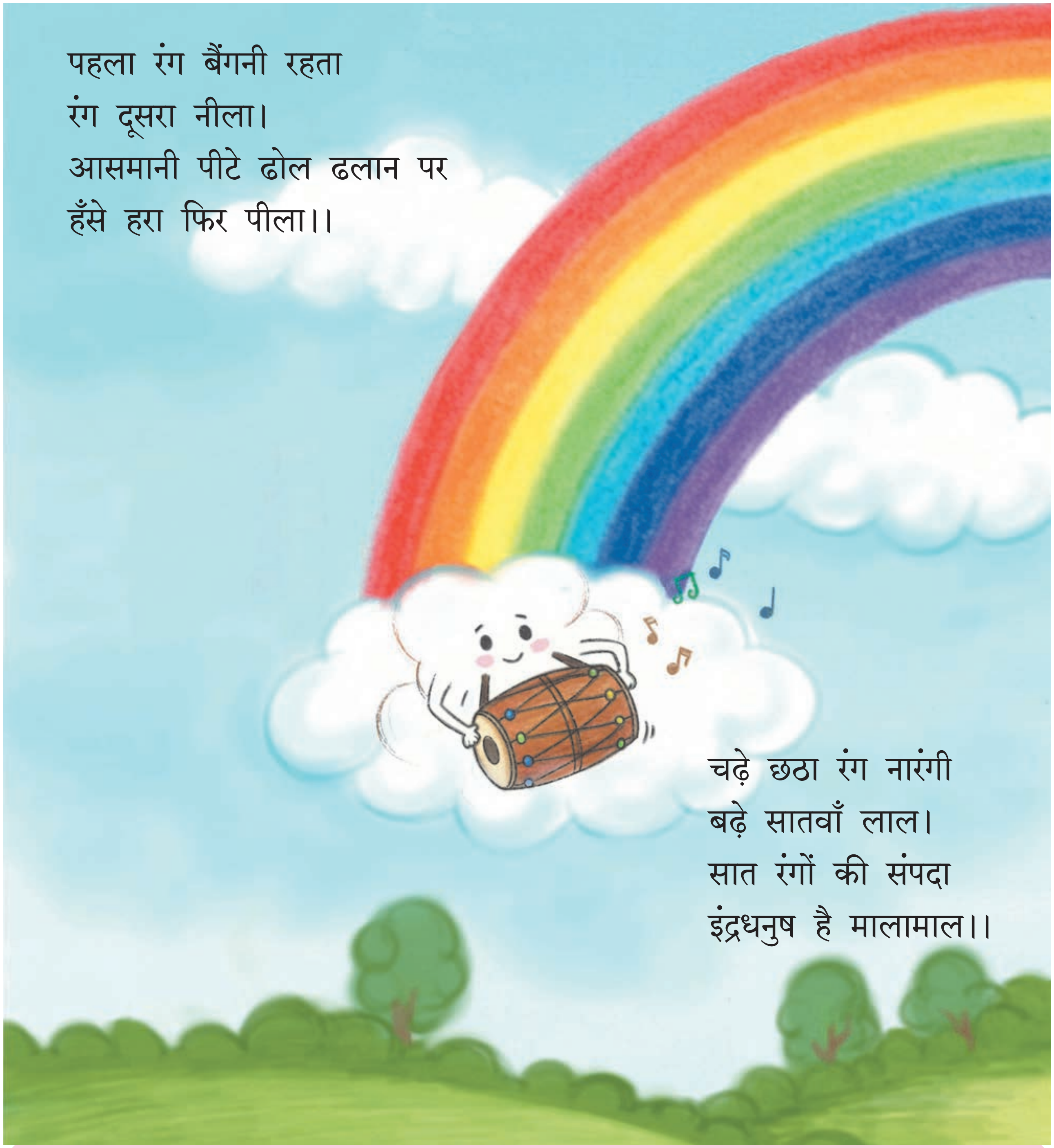

पहला रंग बैंगनी रहता
रंग दूसरा नीला।
आसमानी पीटे ढोल ढलान पर
हँसे हरा फिर पीला।।

चढ़े छठा रंग नारंगी
बढ़े सातवाँ लाल।
सात रंगों की संपदा
इंद्रधनुष है मालामाल।।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता गाकर सुनाएँ। विद्‌यार्थियों से सामूहिक गायन कराएँ। आपस में एक-दूसरे को निर्देश देकर सात रंग की विविध वस्तुओं के नाम लिखने के लिए कहें। उनको विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाए जाने वाले गीत, कविताएँ आदि पढ़कर सुनाने के अवसर उपलब्ध कराएँ।

आओ करें

(१) वर्षाऋतु पर आधारित कोई एक कविता पुस्तकालय से पुस्तक लेकर पढ़ो और गाकर सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) इंद्रधनुष में किन दो रंगों के बीच पीला रंग है?

(ख) इंद्रधनुष के सात रंग कौन-से हैं?

(ग) इंद्रधनुष कब दिखाई देता है?

(घ) इंद्रधनुष प्रतिदिन दिखाई देगा तो क्या होगा?

(३) पढ़ो और निर्देशों का पालन करो :

(च) एक कहने पर लड़के खड़े हो जाएँ।

(छ) दो कहने पर लड़कियाँ खड़ी हों।

(ज) पीछे मुड़ो और एक कदम आगे बढ़ो।

(झ) अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाओ।

(४) इंद्रधनुष का चित्र देखकर रंगों का उचित क्रम लगाओ और किन्हीं दो रंगों पर एक-एक वाक्य बनाकर लिखो :

(लाल, हरा, नारंगी, पीला, आसमानी, नीला, बैंगनी)

............., ..., ...,

............., ..., ..., ...,

वाक्य

(ट) ....

(ठ) ....

(५) दिए गए निर्देशानुसार निम्नलिखित शब्दों को टोकरी में लिखो :

गगन, इमली, पवन, अक्ष, मदन, उजाला, रजत, औरत, आम, कमल

स्वर से शुरू होने वाले शब्द	व्यंजन से शुरू होने वाले शब्द

पढ़ो, समझो और बताओ :

होली रंगों का त्योहार है। भारत में इस पर्व को छोटे-बड़े सभी आनंद के साथ मनाते हैं। लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। शाम को इकट्ठे होकर होली के गीत (फाग) गाते हैं। होली में हमें प्राकृतिक रंगों का उपयोग करना चाहिए। होली का त्योहार हमारी समानता और एकता की संस्कृति को दर्शाता है।

(त) रंगों का त्योहार कौन-सा है?

(थ) होली का त्योहार हमारी किस संस्कृति को दर्शाता है?

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। **'टेली मानस'** योजना अभिभावक एवं विद्यार्थियों को समझाएँ और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। **हेल्पलाइन नंबर-१४४१६**

पुनरावर्तन–१

(१) नीचे दिए मुद्दों के आधार पर छोटी कहानी बनाओ। छोटी–छोटी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए सुनाओ :

एक जंगल – कबूतरों का झुंड – बहेलिया – जाल में फँसना – मित्रों को बुलाना – जाल कुतरना – एक साथ उड़ जाना।

(२) नीचे दिए परिच्छेद को उचित लय, विराम और आवाज में उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ो :

आज रविवार का दिन है। सिद्धू के घर अद्वैत, मुग्धा, अख्तर, जॉन सब आए और एक साथ भोजन किया। फिर आँगन में फुटबाल, लुका–छिपी खेली। घर के अंदर कहानी की पुस्तकें पढ़ीं और गपशप की। चार बजे उन सबने आइसक्रीम खाई। बाद में सिद्धू के मित्र अपने–अपने घर गए।

(३) चित्र और प्रथम अक्षर की जोड़ी मिलाकर शब्द लिखो :

....

....

....

स

त

ब

इ

प

ऐ

....

....

....

(४) चित्र की सहायता से वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द बनाओ और बताओ :

ल	ढ	न	ो	ा	ृ	ै
प	र	त	क्ष	ि	ु	े
स	च	क	व	ी	ौ	ू

(५) नीचे दिए गए वाक्यों में उचित विरामचिह्न लगाकर वाक्य फिर से लिखो:

(क) पूर्वा ने पुस्तक खरीदी

....

(ख) अक्षय ने खिलौना खरीदा

....

(ग) विद्‌या ने कितनी कहानियाँ पढ़ीं

....

(घ) बच्चे पतंगें कब उड़ाते हैं

....

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पूर्वानुभव : देखो, सुनो और लिखो :

दूसरी इकाई

१ मौसम

* मौसम का चित्र पहचानकर क्रम लिखो। उन मौसमों के बारे में तीन-तीन वाक्य लिखो :

☐ ....
....
....

☐ ....
....
....

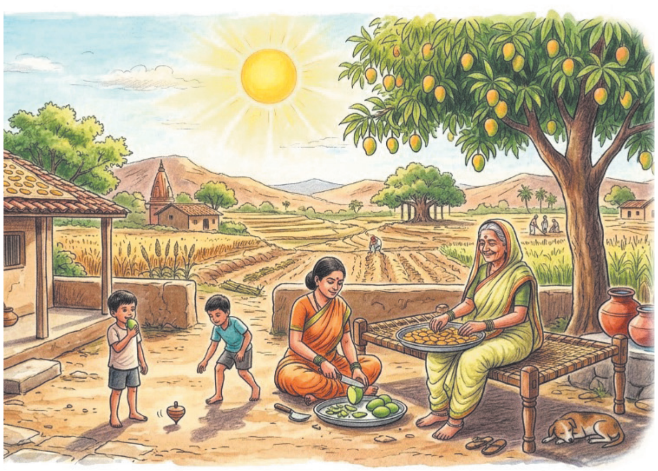

☐ ....
....
....

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण करवाएँ। उन्हें मौसम की जानकारी दें। प्रत्येक मौसम की विशेषता बताते हुए उनमें पहने जाने वाले कपड़ों और उपयोग में लाई जाने वाली अन्य वस्तुओं के बारे में प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा करें। इसी प्रकार अन्य विषयों जैसे- ऋतु के अनुसार व्यंजन, त्योहार आदि के नाम पूछकर उत्तर प्राप्त करें। पाठशाला प्रारंभ होने वाले महीने के मौसम के चित्र को पहचानकर उसका क्रम चौखट में लिखने के लिए कहें। उसके बारे में तीन-तीन वाक्य लिखवाएँ।

देखो, पढ़ो और सहवाचन करो :

२ सहायता

एक जंगल था। वहाँ एक पेड़ पर तोता बैठा था।

सामने नदी में डूबती हुई एक चींटी को उसने देखा। उसने झट से एक पत्ता तोड़कर पानी में डाल दिया।

पत्ता पानी में तैरने लगा। चींटी उसपर चढ़ गई।

चींटी की जान बच गई। उसने तोते को धन्यवाद दिया।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्रों के नीचे लिखे वाक्य उचित उतार-चढ़ाव, हाव-भाव के साथ पढ़वाएँ। उन्हें चित्र के बारे में आपस में बातचीत करने के लिए कहें। इसी तरह अन्य चित्रकथाएँ उपलब्ध कराएँ। उनसे बारी-बारी से पढ़वाएँ। ऐसी पुस्तकें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर उपलब्ध कराएँ जिनमें चित्र कम, पाठ्यसामग्री अधिक हो। विद्यार्थियों की आकलन क्षमता और कौशल की ओर ध्यान दें।

एक दिन वही तोता जंगल में एक पेड़ पर बैठा था। एक लड़का वहाँ आया।

लड़के ने तोते को देखा। उसने ताली बजाते हुए तोते को तंग करना चाहा।

चींटी ने यह देखकर लड़के के पैर में काट लिया। लड़का वहाँ से चला गया।

तोते ने चींटी को धन्यवाद दिया। हमें एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।

अध्यापन संकेत : कहानी का घटनाक्रम समझाकर विद्यार्थियों से उनके बारे में बातचीत करें। ग्रंथालय से चित्रकथा की पुस्तिका उपलब्ध कराएँ। प्रत्येक विद्यार्थी से किसी चित्रकथा का अनुमान लगाकर कहानी सुनाने के लिए कहें। कहानी पर छोटे-छोटे वाक्य सही ढंग से लिखवाएँ और चित्रकथा के आधार पर कहानी लिखने के लिए कहें। उनका लेखन जाँचकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें। उन्हें प्रेरणा दें कि जिस तरह तोता और चींटी ने एक-दूसरे की मदद की; उसी तरह सबको एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए। उन्हें प्राणियों से स्नेहपूर्वक व्यवहार करने के लिए कहें।

सुनो और मिलकर गाओ :

३ मेरी माँ

– डॉ. रमेश गुप्त 'मिलन'

प्यारी-प्यारी मेरी माँ,
सीधी-सादी मेरी माँ।
आँचल की ठंडी छाँव लिए
चाँद-सी लगतीं मेरी माँ।

ज्ञान, खेल, शिक्षा के
मंत्र बतातीं मेरी माँ।
गाँव की सुंदर झाँकी
मुझे दिखातीं मेरी माँ।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का गायन करें। विद्यार्थियों से व्यक्तिगत एवं पूरे समूह में गायन कराएँ। उनसे पूछें कि कविता का विषय क्या है, कविता क्यों अच्छी लगी? इसी प्रकार अन्य कविता, गीत सुनाने के लिए कहें। छोटी-छोटी तुकबंदियाँ करके सुनाएँ। उन्हें भी ऐसा करने के अवसर दें और प्रोत्साहित करें। उनकी स्वनिर्मित तुकबंदियों की जाँच करके संकलन तैयार करें।

आओ करें

(१) सुनो और दी गई अक्षर ध्वनियों का उचित क्रम लगाकर शब्द बनाओ।

की झाँ	ल आँ च	व म आ गाँ	न आँ ग
....	....	....	....

(२) समझो और बताओ :

(क) माँ कैसी लगती हैं?

(ख) माँ क्या दिखाती हैं?

(ग) तुम्हें अपने घर में सबसे प्रिय कौन लगता है और क्यों?

(घ) कुछ दिन के लिए माँ के बाहर जाने पर क्या होगा?

(३) नीचे दी गईं पंक्तियाँ पढ़ो और कवि क्या कहना चाहता है, बताओ :

चंदा चमके चम-चम-चम।
बूँदें नाचें झम-झम-झम।
हवा चली है सर-सर-सर।
पत्ते झरते झर-झर-झर।

(४) माँ को क्या-क्या कहकर बुलाते हैं, लिखो :

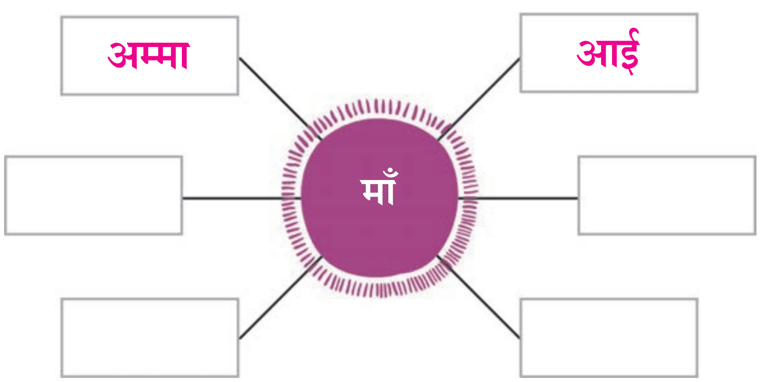

अपनी माँ के बारे में दो वाक्य लिखो :

....

....

(५) तुम्हारे पिता जी तुम्हारे लिए क्या-क्या करते हैं, इसपर विस्तारपूर्वक चर्चा करो।

(६) दादा जी, मलाई, दादी जी और भाई शब्द के आधार पर कविता पूरी करो:

बड़ी बहन का प्यारा ....
छिपकर खा रहा ....।
.... जी ने नजर दौड़ाई,
..... जी ने आँख दिखाई।

पढ़ो, समझो और बताओ :

हमारे माता-पिता, भाई-बहन और दादा-दादी से परिवार बनता है। परिवार में हम आनंद और सुरक्षा का अनुभव करते हैं। पिता जी परिवार का दायित्व पूर्ण करते हैं। माँ हमारी सारी इच्छाएँ पूर्ण करती हैं। भाई-बहन का संबंध अटूट होता है। दादा-दादी का प्यार अनमोल है। परिवार हमारे जीवन में खुशियों के रंग भर देता है।

(च) परिवार किनसे बनता है?
(छ) परिवार हमारे जीवन में क्या भर देता है?

बातचीत

पिछली कक्षा में सुनी हुई 'गाँव' विषय पर एक छोटी कविता सुनाओ।

तुम्हें कौन-सा गीत बहुत पसंद है और क्यों, बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

सुनो, पढ़ो और समझो :

नि:शुल्क वितरण के लिए

४ प्रदर्शनी

शिक्षक : बच्चो! बालसदन में प्रदर्शनी लगी है।

अशोक : गुरु जी! प्रदर्शनी में क्या होता है?

शिक्षक : लोगों को देखने के लिए प्रदर्शनी में विभिन्न वस्तुएँ रखी जाती हैं।

आकाश : जैसे अपनी पाठशाला में विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई थी।

सुषमा : बहन जी! खिलौनों की प्रदर्शनी कब तक लगने वाली है?

शिक्षिका : २० अगस्त से २५ अगस्त तक लगने वाली है।

सुशीला : प्रदर्शनी का समय क्या है?

शिक्षिका : सुबह १० से शाम ६ बजे तक है।

अशोक : प्रदर्शनी में कौन-कौन-से खिलौने होंगे?

शिक्षक : प्रदर्शनी में गुड्डे, गुड़ियाँ, रिमोट पर चलने वाले और मिट्टी से बनाए जाने वाले खिलौने आदि होंगे।

बच्चे : धन्यवाद! हम सब वहाँ खिलौने देखेंगे और खरीदेंगे भी।

अध्यापन संकेत : दिए गए विज्ञापन का निरीक्षण कराएँ। विज्ञापन पर चर्चा करें। संवाद पढ़कर सुनाएँ। उसके आशय पर विद्यार्थियों से चर्चा करें। उनसे संवाद पढ़वाएँ। उनसे पूछें कि उन्हें प्रदर्शनी में कौन-सा खिलौना सबसे अधिक पसंद आया और क्यों? प्रत्येक विद्यार्थी से उसकी पसंद के खिलौनों की सूची बनवाकर उसका संकलन करवाएँ। विज्ञापनों का संकलन कराएँ और विद्यार्थियों से कक्षा में पढ़ने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों को प्रदर्शनी का आनंद लेने हेतु प्रोत्साहित करें।

आओ करें

(१) सुनी/पढ़ी हुई 'पंचतंत्र' की कोई एक कहानी पूरक बारीकियों के साथ अपने मित्र/सहेलियों को सुनाओ :

(२) समझो और बताओ :

(क) प्रदर्शनी कहाँ लगी है?

(ख) खिलौनों की प्रदर्शनी कब तक लगने वाली है?

(ग) तुमने कौन-सी प्रदर्शनी देखी है?

(घ) तुम्हें प्रदर्शनी में क्या अच्छा लगा है?

(३) समाचारपत्र में छपे विज्ञापन पढ़ो और उसमें दी गई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा करो।

(४) कक्षानायक द्वारा सुनाए गए निम्नलिखित वाक्यों का श्रुतलेखन करो :

(च) मैं प्रदर्शनी देखने गया था।

(छ) प्रदर्शनी में मैंने गाड़ी और गुड़िया खरीदी।

(ज) मेले में गेंद, कैरम और डमरू आदि चीजें भी थीं।

(झ) मेले में इनपर छूट थी।

(५) नीचे दिए गए शब्द पढ़कर उनमें आए संयुक्ताक्षर पहचानकर गोल बनाओ।

क्षमा	ज्ञानदा	त्रिवेणी	श्रुति
प्रज्ञा	धनश्री	सावित्री	सक्षम

(६) चित्र देखकर चार वाक्य लिखो :

....

....

....

....

पढ़ो, समझो और बताओ :

हमारे शहर के आजाद मैदान में चित्र प्रदर्शनी लगी है। इसमें लगे सुंदर चित्रों को देखकर सभी मुग्ध होते हैं। इन चित्रों को देखकर विद्‌यार्थियों को प्रेरणा प्राप्त होती है। इस प्रदर्शनी को देखने के लिए विद्‌यार्थी भीड़ लगा देते हैं। आजकल इस प्रदर्शनी की संपूर्ण शहर में चर्चा है।

(ट) चित्र प्रदर्शनी कहाँ लगी है?
(ठ) प्रदर्शनी को देखने के लिए कौन भीड़ लगाते हैं?

बातचीत

प्रदर्शनी देखने का अपना अनुभव बताओ।

तुमने कौन-सी वस्तु प्रदर्शनी में खरीदी है?

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

मिलकर गाओ :

आनंदमयी कविता

– *निरंकारदेव सेवक*

अगर–मगर दो भाई थे,
करते खूब लड़ाई थे।
अगर–मगर से छोटा था,
मगर–अगर से खोटा था।

अगर जरा कुछ कहता था,
मगर नहीं चुप रहता था।
बोल बीच में पड़ता था
और अगर से लड़ता था।

अगर एक दिन झल्लाया,
गुस्से से भरकर आया।
और मगर पर टूट पड़ा,
हुआ खूब गुत्थमगुत्था।

अध्यापन संकेत : उचित हाव–भाव और लय–ताल के साथ विद्यार्थियों को कविता सुनाएँ। विद्यार्थियों से उचित हाव–भाव से कविता का सामूहिक वाचन कराएँ। विद्यार्थियों से अगर–मगर के स्वभाव पर चर्चा कराएँ। उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। विद्यार्थियों से सही उच्चारण के साथ कविता पढ़वाएँ। इस प्रकार अन्य कविता सुनाने के लिए कहें।

छिड़ी महाभारत भारी,
गिरी मेज–कुर्सी सारी।
माँ यह सुनकर घबराई,
बेलन ले बाहर आई।

दोनों को दो–दो जड़कर,
अलग दिए कर अगर–मगर।
खबरदार जो कभी लड़े,
बंद करो यह सब झगड़े।

एक ओर था अगर पड़ा,
मगर दूसरी ओर खड़ा।
पाठ मिला था आज बड़ा,
बंद हुआ उनका झगड़ा।

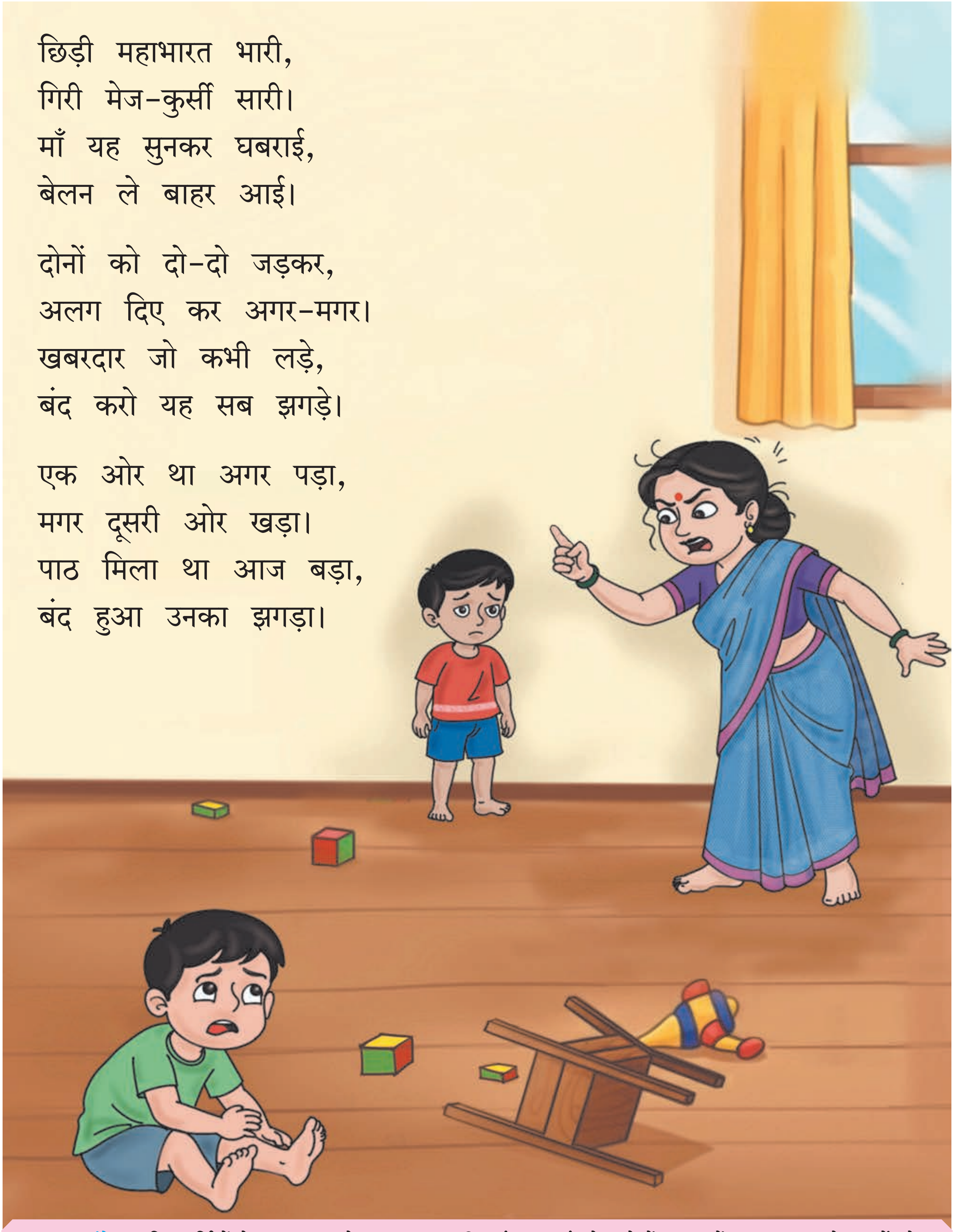

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों से अगर–मगर के स्वभाव, उनकी पसंद–नापसंद के बारे में प्रश्न पूछें। पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर छोटी कविताएँ पढ़ने के लिए और कवि की कल्पनाओं का अनुमान लगाने के लिए कहें। कविता में आए हुए संज्ञा शब्दों की जानकारी दें। विशेष विद्‌यार्थियों की सहायता करें।

सुनो और समझो :

५ सीख

माँ को देखकर श्रेयस जमीन पर लोट गया। ''मुझे नया बस्ता चाहिए नहीं तो मैं पाठशाला नहीं जाऊँगा।'' अंत में हारकर माँ ने उसे नया बस्ता दिलवा दिया। नया बस्ता लेकर श्रेयस खुशी-खुशी पाठशाला गया। अब वह रोज माँ से कोई-न-कोई नई वस्तु माँगता। नई चीजों के चक्कर में श्रेयस का पढ़ना-लिखना छूट गया।

एक दिन माँ श्रेयस की पाठशाला गई। शिक्षिका से उसकी पढ़ाई के बारे में पूछा। श्रेयस पढ़ाई में फिसड्डी निकला। माँ ने श्रेयस से कहा, ''मैं अब तुमसे बात नहीं करूँगी।'' दूसरे दिन जब वह पाठशाला में मित्रों के बीच खेलने पहुँचा तो बच्चे एक साथ चिल्ला उठे, ''हम श्रेयस के साथ नहीं खेलेंगे।''

श्रीकांत बोला, ''तुम माँ का कहना नहीं मानते। पढ़ाई नहीं करते।'' श्रावणी ने कहा, ''तुम माँ से रोज नई-नई चीजें माँगते हो।'' श्रेयस ने कहा, ''अच्छा मित्रो, अब मैं माँ का कहना मानूँगा, पढ़ाई भी करूँगा।'' ''जिद तो नहीं करोगे?'' शिक्षिका ने पास आकर पूछा। ''नहीं करूँगा। मैं परिश्रम करूँगा।'' श्रेयस ने जवाब दिया। अब श्रेयस के साथ सब खेलने लगे। उसने हठ करना छोड़ जो दिया था।

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ कहानी का वाचन करें। श्रेयस की जगह तुम होते तो क्या करते; यह उनसे पूछें। पाठशाला के ग्रंथालय से लघु परिच्छेद की पुस्तकें उपलब्ध करवाएँ। उन्हें सहवाचन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से अनुच्छेद पढ़ने का अवसर दें। पुस्तकें सुव्यवस्थित रखना और उनको उपयोग में लाने के महत्त्व पर चर्चा करें।

आओ करें

(१) ध्वन्यात्मक शब्द सुनो, समझो और उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

हवा	ढम–ढम
घोड़ा	कल–कल
झरना	टप–टप
ढोल	सन–सन

(२) समझो और बताओ :

(क) श्रेयस ने किस बात की जिद की?

(ख) श्रेयस रोज नई–नई चीजें किनसे माँगता है?

(ग) हमें जिद क्यों नहीं करनी है?

(घ) तुम्हारे कितने मित्र हैं? तुम्हारे साथ उनका व्यवहार कैसा है?

(३) आज के समाचारपत्र के प्रथम पृष्ठ के मुख्य समाचार पढ़कर अपने बड़े भाई/बहन को सुनाओ।

(४) चित्र देखकर दो–दो वाक्य लिखो :

....
....

....
....

....
....

....
....

(५) शब्दों की अंत्याक्षरी खेलो और पूरी करो :

दिन–नई ....

(६) घर के सदस्यों को 'सीख' कहानी सुनाओ।

पढ़ो, समझो और बताओ :

हमें अपने शरीर की स्वच्छता का ध्यान रखना आवश्यक है। सुबह जल्दी उठकर दाँत साफ करने चाहिए। नहा–धोकर स्वच्छ कपड़े पहनकर अपने बाल ठीक से सँवारने चाहिए। खाने से पूर्व और खाने के पश्चात अपने हाथ धोएँ। सप्ताह में एक बार बड़ों की सहायता से नाखून काटने चाहिए। इस कार्य में अपने छोटे भाई–बहनों की सहायता करते रहना चाहिए।

(च) खाने से पूर्व और खाने के पश्चात क्या करना आवश्यक है?
(छ) किनकी सहायता से नाखून काटने चाहिए?

बातचीत

इस कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है, बताओ।

'सीख' कहानी में तुम्हें क्या पसंद आया, बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। **'टेली मानस'** योजना अभिभावक एवं विद्यार्थियों को समझाएँ और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। **हेल्पलाइन नंबर–१४४१६**

सुनो, पढ़ो और साभिनय गाओ :

६ नींद

– डॉ. राकेश चक्र

परियाँ आओ, परियाँ आओ।
सपनोंवाली नींद दे जाओ।
चंदा संग हवा को लाना।
तारों का भी नाच दिखाना।
मीठे-मीठे गीत सुनाओ।

मुनिया खाए बरफी, लड्डू।
साथ खेलते इसके गुड्डू।
जल्दी-जल्दी इसे बुलाओ।
परियाँ आओ, परियाँ आओ
सपनोंवाली नींद दे जाओ।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव के साथ कविता गाकर सुनाएँ। विद्यार्थियों से उचित लय-ताल एवं अभिनय के साथ गायन कराएँ। लयात्मक शब्दों का उपयोग करते हुए नई कविता बनाने के लिए कहें। कक्षा नायक द्वारा उसका श्रुतलेखन करवाएँ। पाठशाला में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कविता प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें।

आओ करें

(१) सुनी हुई अन्य कोई एक लोरी गाकर सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) परी कैसी नींद देगी?

(ख) परी को कौन-से गीत सुनाने के लिए कहा है?

(ग) अच्छी नींद आने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

(घ) तुम क्या बनना चाहते हो?

(३) अन्य कोई छोटी कविता, गीत ढूँढ़कर पढ़ो और बताओ कि उसमें कवि क्या कहना चाहता है?

(४) नीचे दिए गए शब्दों से कविता तैयार करो और लिखो :

जल की	है	रानी	मछली
उसका	पानी	जीवन	है
लगाओ	डर	हाथ	जाएगी
निकालो	बाहर	जाएगी	मर

मछली जल ....

....

....

....

(५) निम्नलिखित शब्दों के उचित अक्षर पर 'ँ' (चंद्रबिंदु) अथवा 'ं' (अनुस्वार) चिह्न लगाओ :

ऊचे	हिदुस्तान	सुदर	रग
छद	गेहू	सत	नदिया

(६) पढ़ो और इसी प्रकार के अन्य वाक्य लिखो :

वासुदेव

वासुदेव आया। ....

सुबह वासुदेव आया। ....

आज सुबह वासुदेव आया। ....

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पढ़ो, समझो और लिखो :

(१) अक्षर समूह में से खिलाड़ियों के नाम पहचानकर बताओ :

ध्या	द	चं	न				
व	शा	ध	जा	बा	खा		
ह	ल्खा	सिं	मि				
म	री	कॉ	मे				
न	र	स	ल	डु	तें	क	चि
थ	श्व	द	नं	आ	वि	ना	

(२) निम्नलिखित शब्दों से एक-एक वाक्य बनाकर लिखो :

हॉकी- ....

कुश्ती- ....

दौड़- ....

मुक्केबाजी- ....

क्रिकेट- ....

शतरंज- ....

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पुनरावर्तन-२

(१) सुनो और दी गईं अक्षर ध्वनियों से सार्थक शब्द बनाओ :

रि पु दा प ल
श्र प म का ड्डी
क य स ब

....
....
....
....

(२) शब्दों की अंत्याक्षरी खेलो और पूरी करो :

पाठशाला – लिखना – नीली ...., ...

......................, ..., ...,

......................, ..., ...

(३) नीचे दिए गए चित्र देखकर कविता तैयार करो और पढ़ो :

(किसान, फसलें, बंसी, खेतों)

··· में लहराएँ फसलें
हरी-भरी मन भाएँ ···
··· की मेहनतवाली,
··· मधुर बजाएँ फसलें।।

(४) नीचे दिए गए चित्र देखो, समझो और उचित वर्ण लिखकर शब्द पूर्ण करो:

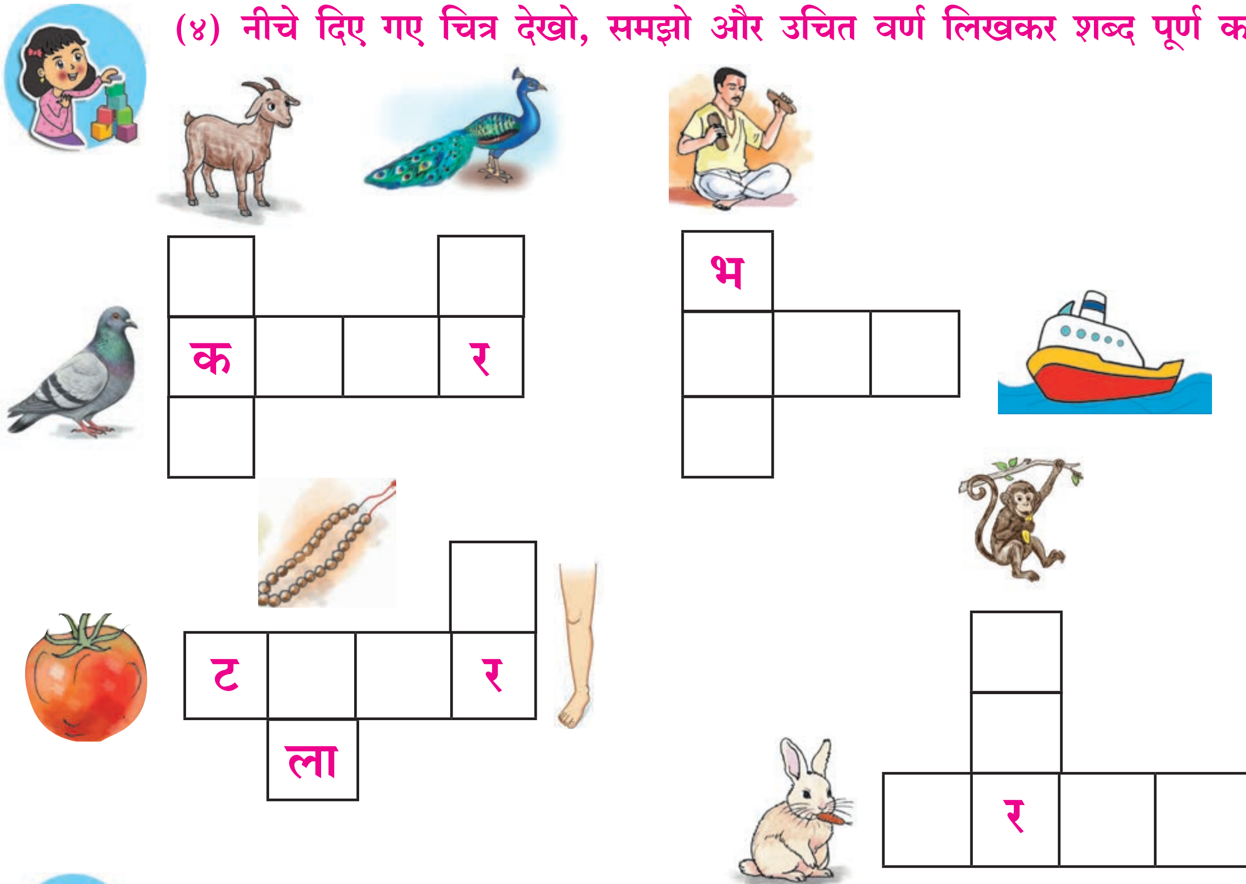

(५) पाठशाला पहुँचने के लिए उचित मार्ग का निर्देश दो :

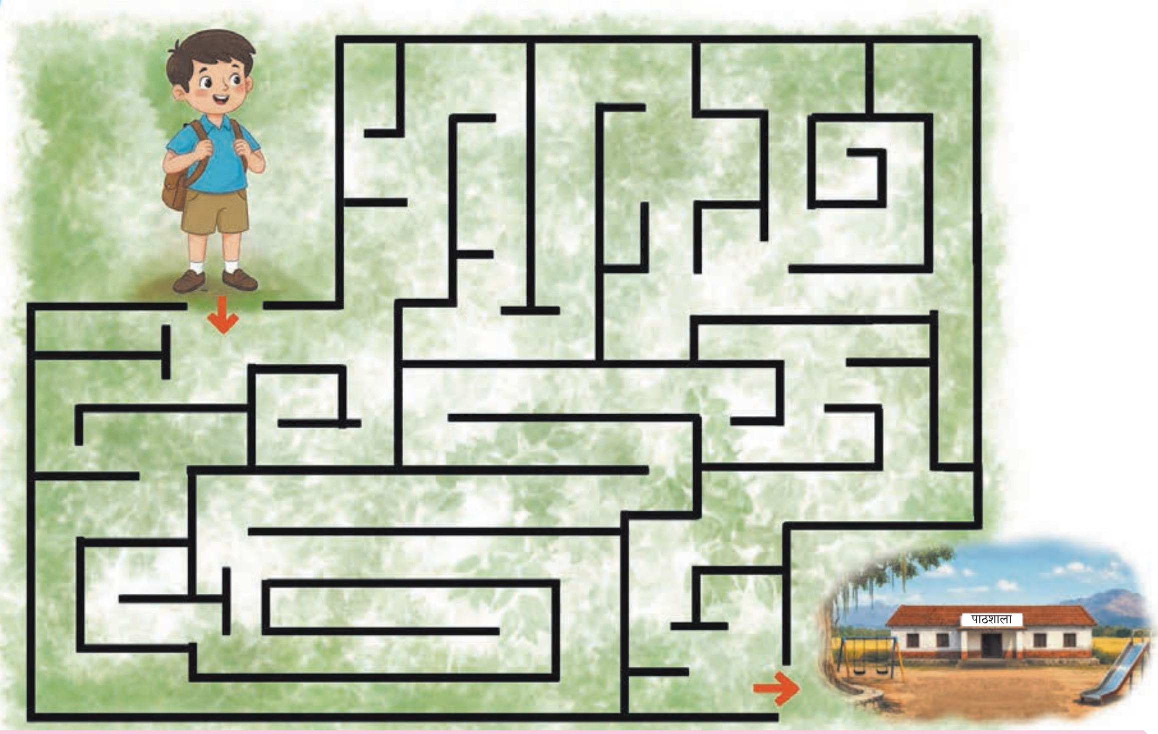

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्‌यार्थियों को कृतियाँ पूरी करने में सहायता करें।

पूर्वानुभव : देखो, बताओ और लिखो :

१ स्वच्छता

अध्यापन संकेत : चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्र में कौन क्या कर रहा है, यह पूछें और चर्चा करें। चित्र में जो दिखाई दे रहा है, उस विषय पर विद्‍यार्थियों को अपनी कॉपी में पाँच वाक्य लिखने के लिए सूचित करें। इसी प्रकार के विविध चित्र दिखाकर विद्‍यार्थियों से उनका मौखिक वर्णन करने और लिखने के लिए कहें। 'पाठशाला की स्वच्छता' विषय पर कई पात्र लेकर एक विस्तृत कहानी बनवाएँ और सुनाने का अवसर दें। गीला कचरा और सूखा कचरा अलग करने के लिए कहें।

देखो, चर्चा करो और लिखो :

२ विविध खेल

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों से चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्र में दिखाए गए खेलों पर चर्चा करें। विद्‌यार्थियों को उनकी पसंद के खेल के बारे में बताने के लिए कहें। उनकी पसंद के खिलाड़ी के बारे में पाँच छोटे वाक्य बोलने के लिए कहें। इसी प्रकार के विविध विद्‌यालयीन उपक्रमों के अनुभव बताने के लिए कहें। खेल में ईमानदारी से हार-जीत स्वीकार करने के लिए कहें।

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों से उनके परिसर में खेले जाने वाले अन्य खेलों की जानकारी पूछकर उनसे चर्चा करें। उन खेलों के नाम बताने तथा खेल खेलने के लिए कहें। खेल तथा अन्य गतिविधियों के नियोजन में सभी का सहयोग लें। समूह में छोटे-छोटे खेल खेलने के निर्देशों पर चर्चा करें। निर्देश देने के लिए कहें। जैसे- कितने खिलाड़ी, स्थान, मैदान, नियम आदि संबंधी।

सुनो, पढ़ो और मिलकर गाओ :

३ संदेश

– डॉ. *परशुराम शुक्ल*

टिकटिक–टिकटिक घड़ी कह रही,
समय न अपना व्यर्थ गँवाओ।
आएँ कितनी भी बाधाएँ,
फिर भी आगे बढ़ते जाओ।।

बहुत सो चुके, आँखें खोलो,
उठो नया विश्वास जगाओ।
नई सुबह है, नई प्यास है,
नव प्रयत्न से, उसे बुझाओ।।

हर घर जहाँ–जहाँ अशांति हो,
सुख–शांति के दीप जलाओ।
ज्ञान, मान, धन और प्रगति के,
पथ पर आगे बढ़ते जाओ।।

अध्यापन संकेत : उचित हाव–भाव और अभिनय के साथ कविता का गायन करें। विद्यार्थियों से एकल और समूह में दो–दो कड़ियों का गायन/वाचन कराएँ। कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है; इसका अनुमान लगाने और विविध घड़ियों की आवाजें निकालने के लिए कहें। सुनी हुई किसी कविता का गायन करने के लिए प्रोत्साहित करें। वार तथा महीनों के नामों का परिचय कराएँ और उन्हें क्रम से बोलने का अभ्यास करवाएँ। 'स्मार्ट वॉच' के संदर्भ में चर्चा करवाएँ।

आओ करें

(१) सुना हुआ कोई एक प्रार्थना गीत गाकर सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) घड़ी समय के बारे में क्या बताती है?

(ख) हमें सुख-शांति के दीप कहाँ जलाने हैं?

(ग) घड़ी का उपयोग कब-कब होता है?

(घ) यदि घड़ी न होती तो तुम क्या करते?

(३) निम्नलिखित चित्र में दिनों के नाम क्रमानुसार पढ़ो और उनमें से किन्हीं दो वारों से संबंधित दो अलग-अलग वाक्य विरामचिह्नों सहित लिखो : (पूर्णविराम और प्रश्नचिह्न)

च) वार का नाम : ....

वाक्य – ....
....
....
....

छ) वार का नाम : ....

वाक्य – ....
....
....
....

(४) घड़ी का चित्र देखो, नीचे दी गईं पंक्तियाँ पढ़ो और अपने शब्दों में घड़ी का उपयोग कॉपी में लिखो :

समय की पहचान, कलाई घड़ी सबकी शान।

विविध रंगों में उपलब्ध, सुंदर-टिकाऊ घड़ी।

(५) नीचे दिए गए वाक्य सहपाठी से सुनकर अपनी कॉपी में लिखो :

(ट) समय का मूल्य समझो।

(ठ) अपने माता-पिता का आदर करो।

(ड) सभी के साथ प्रेम से बोलो।

(ढ) आज का काम आज ही पूरा करो।

(६) निम्नलिखित शब्दों को पढ़ो और उचित शब्द को गोल करो :

विस्वास-विश्वास	अहार-आहार	बहूत-बहुत
कृती-कृति	दुध-दूध	आर्शिवाद-आशीर्वाद

बातचीत

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।

आओ बनाओ :

नि:शुल्क वितरण के लिए

रंगोली

(१) निम्नलिखित चित्र देखकर बिंदुओं को जोड़कर रंगोली बनाओ :

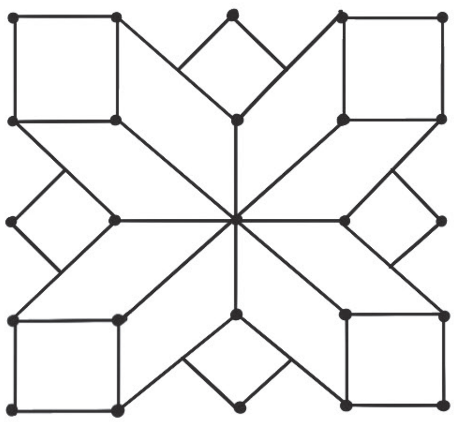

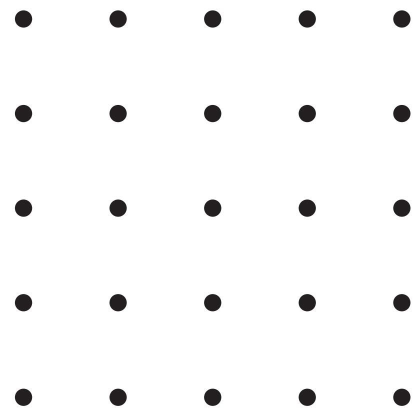

(२) रंगोली में रंग भरो :

अध्यापन संकेत : चित्र एवं आकृतियों का सूक्ष्म निरीक्षण करवाकर रंगोली बनवाएँ। रंगोली की चित्रपुस्तिका के आधार पर त्योहारों के अवसर पर रंगोली बनाने के लिए कहें। इसी प्रकार अन्य रंगोलियाँ, चित्र बनाकर रंग भरने के लिए कहें। रंगोली बनाने का क्रम कहानी के रूप में बताएँ। उनसे रंगोली बनाने के अपने अनुभव बताने और लिखने के लिए कहें। उन्हें उचित निर्देश देकर अन्य उपक्रम करवाएँ।रंगोली का चित्र देखकर रंगोली बनाने की घटना और विधि पर छोटी कहानी लिखने के लिए कहें।

पढ़ो और बताओ :

४ निर्मल जल

विट्ठल : प्लास्टिक की ये थैलियाँ लेकर क्या तुम नदी की ओर जा रही हो?

अश्विनी : नहीं, उन्हें कूड़ेदान में फेंकने जा रही हूँ।

विट्ठल : अच्छी बात है। नदी में कूड़ा फेंकने से पानी प्रदूषित हो जाता है।

जॉन : अब देखो न! कारखानों का रसायनयुक्त पानी नदियों में छोड़ते हैं।

गुफ्फी : इसलिए इस दूषित और विषैले पानी से मछलियाँ मर रही हैं।

गफ्फार : हाँ, लेकिन कारखाने नहीं होंगे तो विकास कैसे होगा?

अश्विनी : तुम्हारी बात सही है। कारखानों के इस रसायनयुक्त पानी को स्वच्छ करके उसे पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

रुक्की : मैंने सुना है कि प्रदूषित पानी से पेट की बीमारियाँ होती हैं।

गुफ्फी : कहते हैं कि तालाबों में कूड़ा न फेंकना भी सामाजिक कर्तव्य है।

जॉन : तो आओ, हम जल स्वच्छता की शुरुआत अभी से करते हैं।

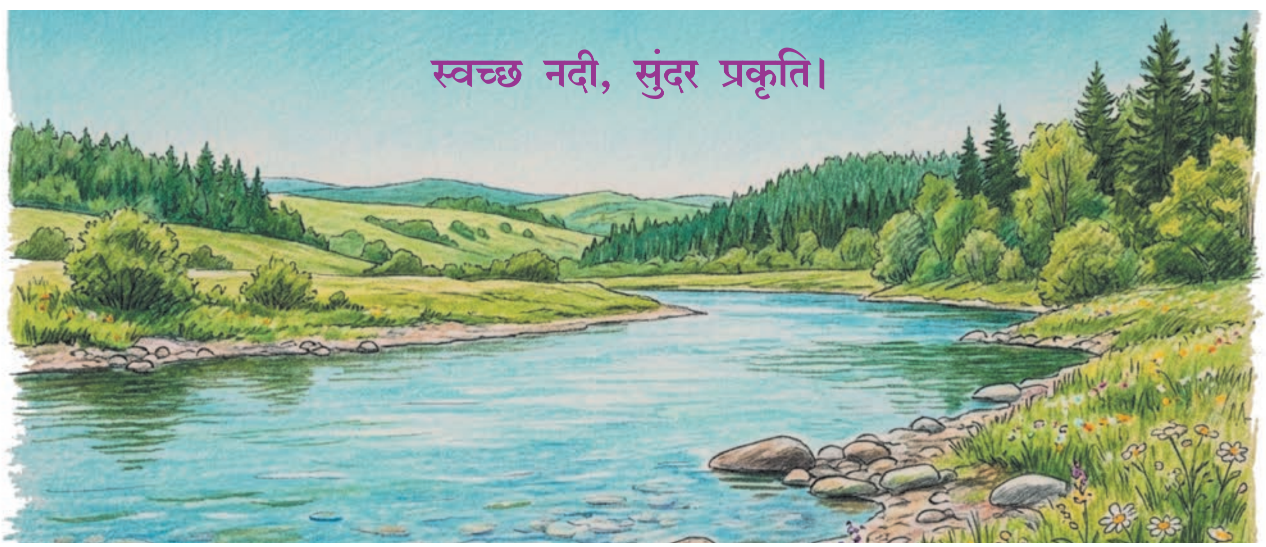

अध्यापन संकेत : संवाद का उचित आरोह-अवरोह के साथ वाचन करें। विद्यार्थियों से दो-दो के समूह में संवादों का वाचन शुद्ध रूप में कराएँ। जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण पर उनसे चर्चा कराएँ। प्रश्नोत्तर के माध्यम से जल प्रदूषण से बचने के उपाय पूछें। इसी प्रकार अन्य विषय देकर संवाद करवाएँ। उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। पीने के लिए पानी किन-किन स्रोतों से मिलता है, पूछें और चर्चा करें। प्रदूषण पर विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आओ करें

(१) सुनी/पढ़ी हुई 'ईसप' की कोई एक कहानी सूक्ष्मता के साथ सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) मछलियाँ क्यों मर रही हैं?

(ख) पेट की बीमारियों का क्या कारण होता है?

(ग) प्रदूषण किन कारणों से होता है?

(घ) जल प्रदूषण कब होता है?

(३) दिए गए शब्दों के शब्दकार्डों की सहायता से शब्दों का पहला और अंतिम अक्षर बताकर पूरा शब्द पढ़ो और समझो :

चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद,
आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन।

(४) चित्र देखकर पूर्ण विरामचिह्न का उपयोग करते हुए प्रदूषण पर पाँच वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :

(५) अच्छी आदतें साझा करते हुए मित्रों को निर्देश दो; जिसमें दिशा, स्थान, समय का समावेश हो। जैसे– सुबह व्यायाम करना चाहिए।

(६) चित्र देखो और शब्द पहेली बनाओ :

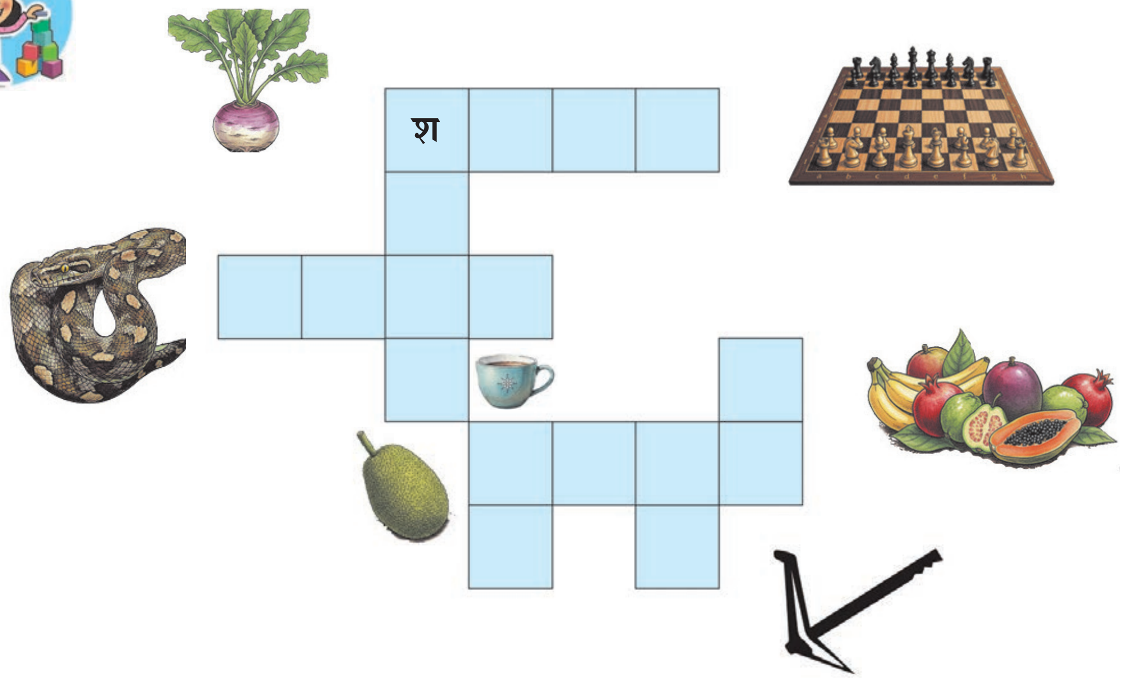

पढ़ो, समझो और बताओ :

सुंदर अक्षर हमारे व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। यदि हमारी लिखावट साफ और सुंदर होती है, तो पढ़ने वाले को बहुत अच्छा लगता है। सुंदर अक्षरों में लिखा हुआ पाठ जल्दी और आसानी से समझ में आता है। अच्छी लिखावट के लिए रोज लिखने का अभ्यास करना जरूरी है। हमें हमेशा ध्यान से साफ और सुंदर अक्षरों में लिखने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारी कॉपी भी सुंदर दिखती है।

(च) सुंदर अक्षर किसकी पहचान होती है?

(छ) हमें कौन-सी आदत डालनी चाहिए?

बातचीत

पीने के पानी को साफ रखने के लिए तुम्हारे घर में क्या उपाय करते हैं, बताओ।

बाहर बनने वाले खाद्‌यपदार्थ खाने से माँ क्यों मना करती हैं, कारण बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पढ़ो और समझो :

५ आईना

विद्‌या नाम की एक छोटी-सी लड़की थी। उसमें बहुत-सी अच्छाइयाँ थीं पर वह बात-बात पर गुस्सा करती थी। गुड्‌डी बुआ उसे हमेशा समझातीं कि विद्‌या बेटी, इतना गुस्सा करना अच्छी बात नहीं है परंतु विद्‌या का

स्वभाव नहीं बदला। एक शाम वह अपना गृहकार्य करने में मग्न थी। उसके मेज पर रखे फूलदान से विद्‌या का छोटा भाई बिट्‌टू टकराया और गुच्छे से फूल बिखर गए।

यह देख विद्‌या गुस्से से बौखला उठी। वह बिट्‌टू पर चिल्लाने लगी। तभी गुड्‌डी बुआ ने एक आईना लाकर उसके सामने रख दिया। गुस्से से भरी विद्‌या ने अपना चेहरा आईने में देखा। गुस्से में वह बहुत बुरी लग रही थी। अपना बिगड़ा चेहरा देखकर विद्‌या बुदबुदाई, ''मैं कितनी बुरी लग रही हूँ।'' उसका गुस्सा छू मंतर हो गया।

गुड्‌डी बुआ ने उसे समझाया, ''देखा विद्‌या! जो जैसा है; आईने में वैसा ही दिखता है।'' विद्‌या बोली, ''आप सही कह रही हैं बुआ।'' आईने में अब अपना हँसता चेहरा देखकर विद्‌या खुशी से झूम उठी।

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ कहानी का वाचन करके सुनाएँ। विद्यार्थियों से उचित विराम, उतार-चढ़ाव के साथ एक-एक परिच्छेद का वाचन कराएँ। गुस्सा क्यों नहीं करना चाहिए; इस बारे में पाठ के आधार पर उनसे बातचीत करें। पसंदीदा कहानी, बालगीत, चित्रकथा आदि पुस्तकें पढ़ने के लिए कहें। जिस तरह विद्‌या गुड्‌डी बुआ को 'आप' कहकर संबोधित करती है; उसी तरह विद्यार्थियों को भी बड़ों का सम्मान करने को प्रेरित करें। पाठ में आए सर्वनाम शब्दों से परिचित कराएँ। अन्य सर्वनाम भी बताएँ। विद्यार्थियों को कैलेंडर की जानकारी दें।

आओ करें

(१) सुनी/पढ़ी हुई कोई 'विक्रम बेताल' की एक कहानी बारीकियों के साथ अपने मित्र/सहेलियों को सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) विद्‌या किस काम में मग्न थी?
(ख) फूलदान से कौन टकराया?
(ग) घर में कोई गुस्सा ना हो तो कैसा लगेगा?
(घ) माँ/पिता जी के गुस्सा होने पर तुम क्या करते हो?

(३) चित्र में दिए गए सभी शब्द सर्वनाम हैं। इन्हें पढ़ो और समझो :

मैं

हम

तू

तुम

(४) शिक्षक की सहायता से निम्नलिखित शब्दसमूह के अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखो :

झूम उठना	मग्न होना
....	....
बौखला उठना	छू-मंतर होना
....	....

(५) कैलेंडर देखकर महीनों के नाम उचित ढंग से पढ़ो :

जनवरी

फरवरी मार्च

अप्रैल मई जून

जुलाई अगस्त सितंबर

अक्तूबर नवंबर दिसंबर

(६) दिए गए शब्दों को आईने में देखकर पढ़ो और चित्र के नीचे लिखो :

....

....

....

....

बातचीत

कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है, बताओ।

अपनी माँ, भाई–बहन को इस कहानी के पात्रों के साथ जोड़कर कक्षा में कहानी सुनाओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। कृतियाँ करने में विशेष विद्‌यार्थियों की सहायता करें।

सुनो, पढ़ो और मिलकर गाओ :

६ एक पेड़

– श्रीप्रसाद

पेड़ सुंदर-सा, हरा-भरा
खेत की मेंड़ पर था खड़ा।
अंकुर से कोंपल में बदला
कोंपल से फिर हुआ बड़ा।

पेड़ सज गया आमों से
आम हैं कच्चे, हरे-हरे।
पक जाने पर, आम सारे,
हो जाते, रस से भरे-भरे।

खूब घनी छाया होती थी
चिड़ियाँ आकर रहती थीं।
चिऊँ-चिऊँ चीं, चिऊँ-चिऊँ चीं
अपनी बातें कहती थीं।

अध्यापन संकेत : उचित लय-ताल, हाव-भाव के साथ कविता गाकर सुनाएँ। विद्यार्थियों से अभिनय के साथ एकल एवं सामूहिक गायन कराएँ। इसी प्रकार उन्हें उनकी पसंद की अन्य कविता सुनाने और पसंद आने का कारण बताने के लिए कहें। उनसे पूछें कि यदि पेड़ न होंगे तो क्या होगा? गमले में पौधा लगाने के लिए उन्हें प्रेरित करें। कविता की चार पंक्तियों का श्रुतलेखन करवाएँ।

आओ करें

(१) सुनो और दी गई अक्षर ध्वनियों का उचित क्रम लगाकर नये शब्द बनाओ।

फी ब ला	म ष्ट्र रा हा	ता न म्र	र्थ ना प्रा

(२) सुनो और बताओ :

(क) पेड़ कहाँ खड़ा था?

(ख) आम पक जाने पर कैसे बनते हैं?

(ग) तुमने कौन-से पौधे लगाए हैं?

(घ) पेड़ में वस्तुएँ लगतीं तो क्या होता?

(३) पाठ्यपुस्तक से 'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ', 'श्र' ध्वनिवाले चार-चार शब्द ढूँढ़कर पढ़ो।

(४) नीचे दिए गए शब्द से अन्य सार्थक शब्द बनाकर लिखो :

जैसे - शब्द - कुमारभारती	शब्द - महानगर
(च) कुमार	(ट) ....
(छ) भारती	(ठ) ....
(ज) भामा	(ड) ....
(झ) तीर	(ढ) ....
(ञ) रती	(ण) ....

(५) दिए गए शब्दों के समान अर्थवाले शब्द शिक्षक की सहायता से बाल शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखो :

(त) मेंड़ = ... (थ) कोंपल = ...

(द) घनी = ... (ध) आवास = ...

(६) नीचे दिए गए शब्दों से कविता बनाओ और लिखो :

बड़े-बड़े सारस	मछली रानी	ठंडा पानी	पारस

एक तालाब का ………………, उसमें रहती ………………,

तालाब में आते ………………, पानी चमके जैसे ………………।

पढ़ो, समझो और बताओ :

पेड़ हमारे लिए वरदान हैं। पेड़ कार्बन डाई ऑक्साइड खींचते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। इससे वायु की शुद्धता बनी रहती है। पेड़ों के कारण वर्षा समय पर और पर्याप्त मात्रा में होती है। पेड़ों के कारण मिट्टी का कटाव रुक जाता है। भूमि का उपजाऊपन बना रहता है। पेड़ों से विभिन्न फूल और औषधियाँ प्राप्त होती हैं। हमें पेड़ों की कटाई रोकनी चाहिए।

(च) पेड़ों के कारण किसकी शुद्धता बनी रहती है?

(छ) पेड़ों से हमें क्या-क्या प्राप्त होता है?

बातचीत

पेड़ की उपयोगिता के बारे में पाँच वाक्य बताओ।

तुमने पढ़ी हुई कोई अन्य कविता गाकर सुनाओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। **'टेली मानस'** योजना अभिभावक एवं विद्यार्थियों को समझाएँ और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। **हेल्पलाइन नंबर-१४४१६**

नि:शुल्क वितरण के लिए

पुनरावर्तन-३

(१) सुनो और उचित उच्चारण के साथ दोहराओ। दी गईं अक्षर ध्वनियों का उचित क्रम लगाकर सार्थक शब्द बनाकर लिखो :

.... क्षी नौ दै सै ....

.... दि पि नि यु ज प ....

.... क ष मू ली न ....

(२) समझो और तालिका पूर्ण करो :

क्र.	कल	आज	कल	परसों
(क)	रविवार	....	मंगलवार	....
(ख)	....	शुक्रवार	....	रविवार

(३) शुद्‌ध शब्द पर गोल बनाओ :

घड़ी	घडी	रँगोली	रंगोली
चढाई	चढ़ाई	ढलान	ढ़लान
अँधियारा	अंधियारा	कृपा	किरपा
गुरूवार	गुरुवार	डफली	ड़फली

(४) उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण करो :

(च) ………………… पुस्तक पढ़ता हूँ। (मैं/हम)

(छ) ………………… बाहर जाएँगे। (मैं/हम)

(ज) बेटा! ………………… बाहर जा। (तू/तुम)

(झ) ………………… आईने में अपना चेहरा देखो। (तू/तुम)

(५) चित्रकथा देखकर अनुमान से कहानी अपनी कॉपी में लिखकर उसे परिपाठ में सुनाओ :

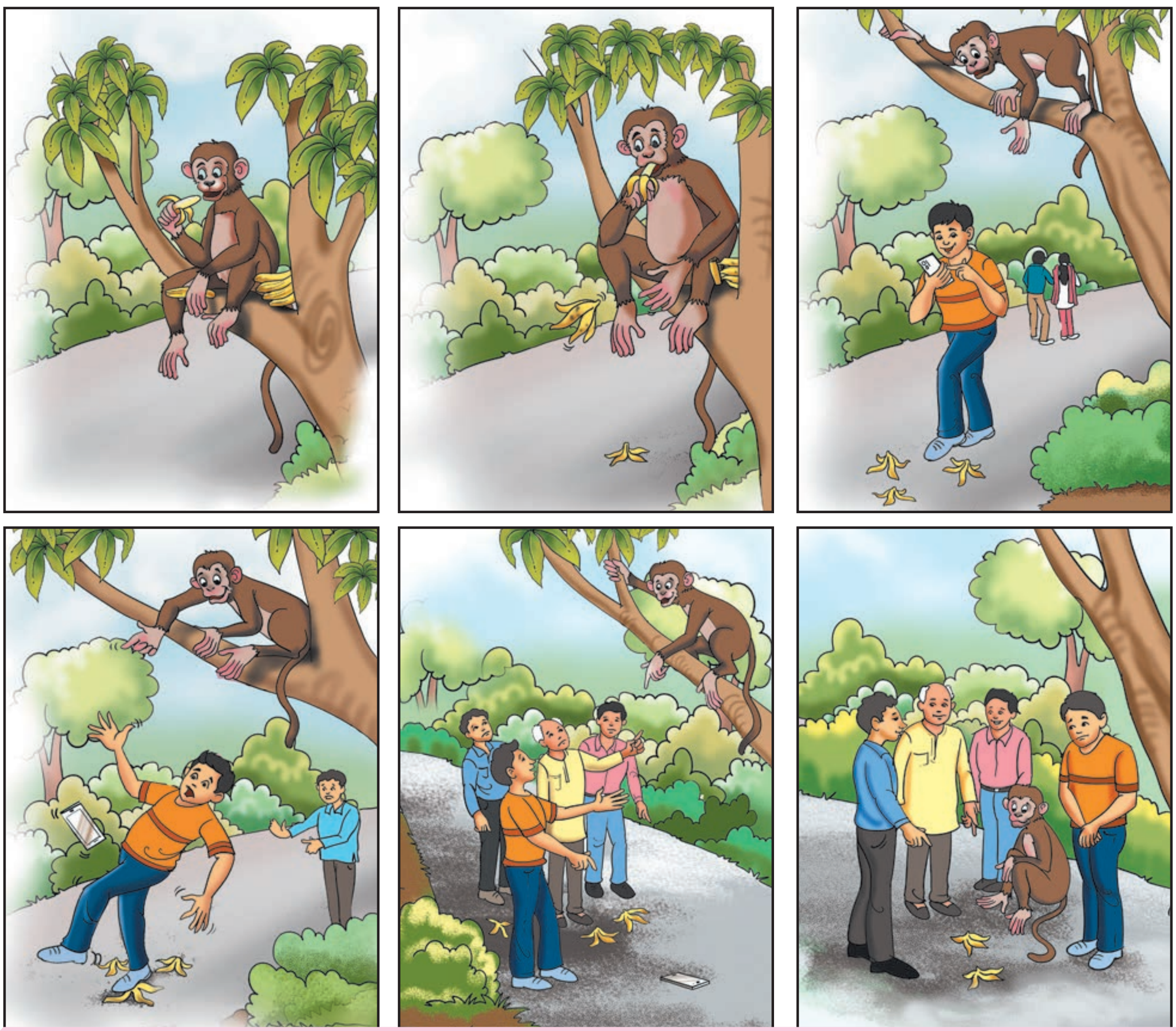

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पूर्वानुभव : देखो, बताओ और लिखो :

१ दिशाएँ

हिमालय

सूर्यास्त

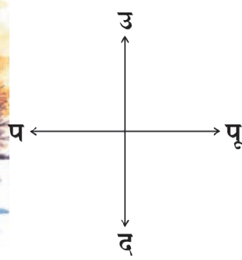

सूर्योदय

कन्याकुमारी

अध्यापन संकेत : विद्‌यार्थियों से चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। उनसे चित्रों के आधार पर दिशाओं का वर्णन करवाएँ। चित्रों का क्रम बताते हुए उन्हें चित्रों से संबंधित छोटे-छोटे वाक्य लिखने के लिए कहें। चित्र के आधार पर चारों दिशाएँ समझाकर उनपर चर्चा करें। प्रत्येक चित्र पर दो-दो वाक्य कहलवाएँ। इसी प्रकार के अन्य चित्र दिखाकर दो-तीन वाक्य लिखवा लें।

देखो, बताओ और लिखो :

२ ऐसे बनें मित्र

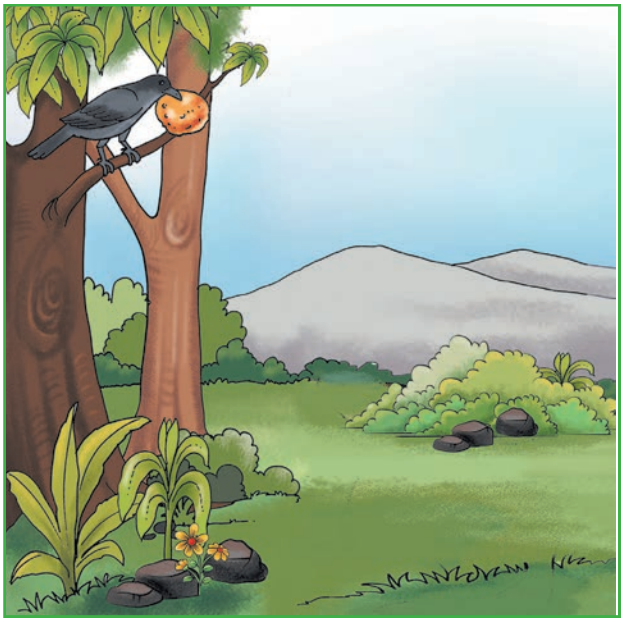

अध्यापन संकेत : चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्रकथा के कथानक, पात्र, घटनाक्रम पर बातचीत करें। चित्रों का उचित क्रम बताकर उनके नीचे चित्र से संबंधित वाक्य लिखवाएँ। किसी चित्रपुस्तिका से चित्र दिखाकर अनुमान के आधार पर छोटे-छोटे वाक्यों में कहानी लिखने के लिए कहें। विद्‌यार्थियों द्‌वारा लिखे वाक्यों की जाँच करें।

....

....

सीख : पिछली कहानी में लोमड़ी ने कौए के साथ धूर्ततापूर्ण व्यवहार किया था। इस कहानी का कौआ अच्छे स्वभाव का है। इसलिए उसने लोमड़ी की सहायता की। हमें सबके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

अध्यापन संकेत : अन्य चित्रकथाओं का संग्रह करवाएँ। उनपर चर्चा करें। चित्रगाड़ी के माध्यम से पहेली तैयार करने के लिए प्रेरित करें। दिए गए चित्रों और कहानी पर विद्‌यार्थियों की प्रतिक्रिया पूछकर लिखवाएँ। चित्रों का क्रम बताकर छोटे-छोटे वाक्य सही ढंग से लिखवा लें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

सुनो, पढ़ो और मिलकर गाओ :

३ चलते रहना

– डॉ. अजय जनमेजय

राह कठिन हो, फिर भी चलना,
ठीक नहीं है मित्र ठहरना।।

आँधी आए, ओले बरसें,
कब सीखा परबत ने झुकना।

धीर रहें, गंभीर रहें वे,
वीर पुरुष का ये ही गहना।

ज्ञानी सदा करते हैं पालन,
जिज्ञासा संग आगे बढ़ना।

ज्ञाता भेद जानते हैं यह,
जब तक रहना, हँसते रहना।

व्यर्थ है रुकने की आज्ञा,
कब सीखा सूरज ने थकना।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव और लय-ताल के साथ कविता का गायन करें। विद्यार्थियों से सामूहिक गायन कराएँ। उनसे एक-एक कड़ी का वाचन कराएँ। इस कविता में कवि क्या कहना चाहता है, इसका अनुमान लगाकर उन्हें बताने के लिए प्रेरित करें। कविता में आए शब्दों के आधार पर प्रश्न पूछें और कविता को समझने में सहायता करें। चर्चा के माध्यम से तुकांत शब्द पहचानने के लिए कहें। कोई अन्य छंदोंवाली कविता सुनाने के लिए कहें।

आओ करें

(१) पुस्तकालय से पुस्तक लेकर 'वर्षा ऋतु' पर आधारित कोई एक कविता गाकर सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) परबत ने क्या नहीं सीखा है?

(ख) ज्ञाता कौन-से भेद जानते हैं?

(ग) अगर सूरज थक जाएगा तो क्या होगा?

(घ) घर में कोई भी काम नहीं करेगा तो तुम क्या करोगे?

(३) नीचे दिए वाक्य पढ़ो और उचित संयुक्ताक्षर शब्द पर ✓ चिह्न लगाओ:

(च) आज ही हमें आपका पत्र/कागज प्राप्त हुआ है।

(छ) कल मेरी बहन साक्षी/शीला मिलने आएगी।

(ज) यह पुस्तक ज्ञानदा/उमेश की है।

(झ) मृदुल का मित्र सोहम/सुश्रुत हैं।

(४) बाल शब्दकोश की सहायता से दिए गए शब्दों के लिए अन्य शब्द खोजकर चौखट में लिखो :

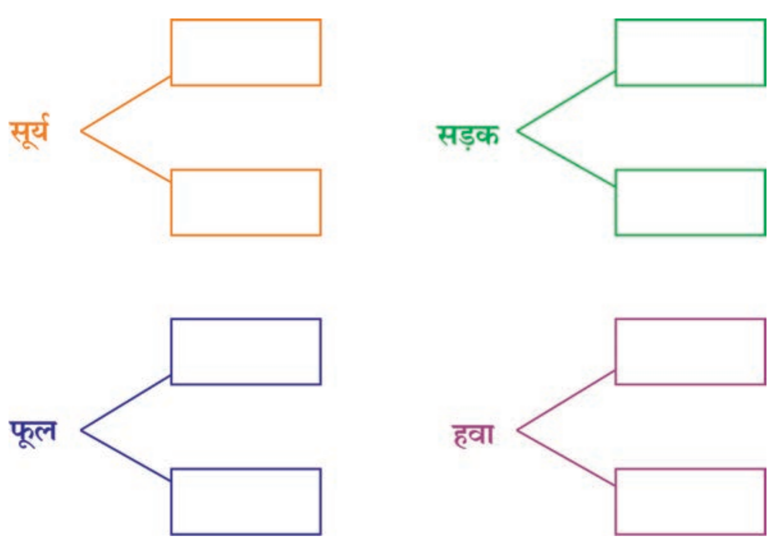

(५) नीचे दिए गए वाक्यों को कक्षा नायक से सुनकर श्रुतलेखन करो :

(ट) अक्षय ने खिलौना खरीदा।

(ठ) पूर्वा ने गुड़िया खरीदी।

(ड) अपनी रक्षा स्वयं करो।

(ढ) साइकिल चलाओ, पेट्रोल बचाओ।

(६) नीचे दिए गए वाक्यों में पूर्णविराम और प्रश्नचिह्न लगाओ :

(त) विद्‌या ने कितनी कहानियाँ पढ़ी हैं

(थ) शिल्पा मूर्ति बनाती है

(द) क्या पाठशाला में खेल प्रतियोगिताएँ होती हैं

(ध) विकास घर पर पढ़ाई करता है

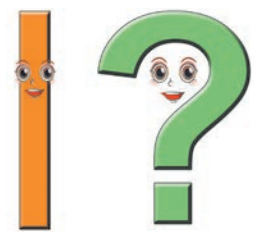

बातचीत

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। **'टेली मानस'** योजना अभिभावक एवं विद्‌यार्थियों को समझाएँ और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। **हेल्पलाइन नंबर-१४४१६**

देखो, समझो और लिखो :

अंतर बताओ

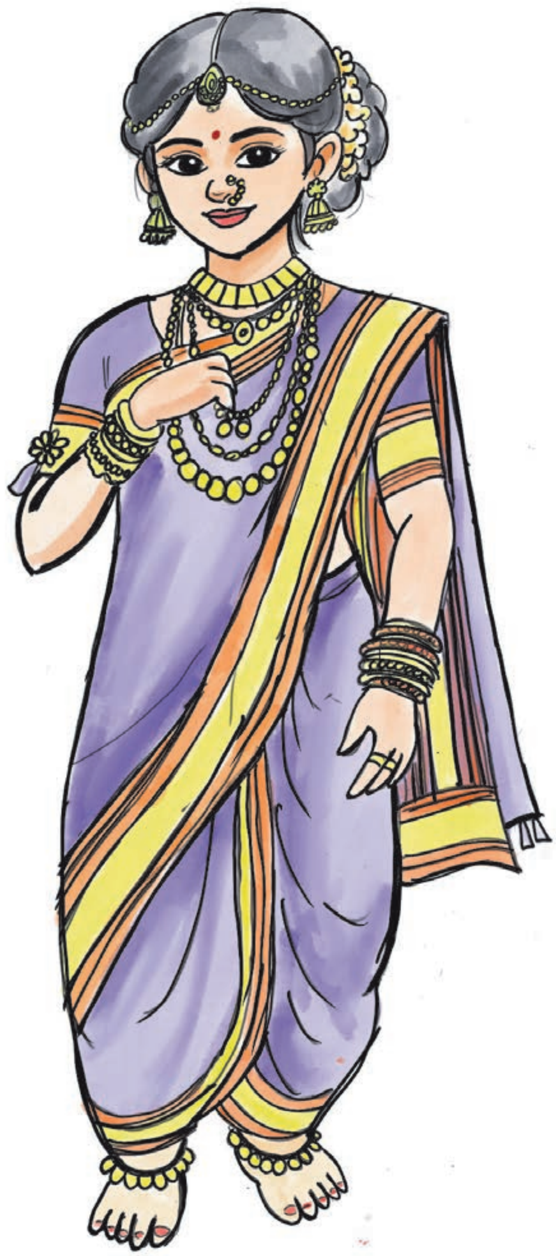

अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का ध्यान से निरीक्षण करने के लिए कहें। चित्रों में दस अंतर हैं। विद्यार्थियों को वे अंतर ढूँढ़ने के लिए कहें। सबसे प्रथम अंतर बताने वाले को शाबाशी दें। समूह बनाकर यह 'अंतर पहचानो' का खेल खेलवाएँ। ऐसे ही अन्य चित्र देकर विद्यार्थियों की शब्द संपदा में वृद्‌धि करने का प्रयास करें। अपने अनुभव के आधार पर वर्णन लिखने के लिए कहें।

सुनो, समझो और पढ़ो :

४ फलों का दरबार

(परदा खुलता है– दरबार में अंगूर, तरबूज, खरबूजा, संतरा, जामुन, अमरूद, सेब सभी दरबारी उपस्थित हैं। सिंहासन पर राजा आम, दाईं तरफ प्रधान जी नारियल और बाईं ओर सेनापति केला जी बैठे हैं। फलों का दरबार डलिया में लगा है।)

राजा आम : आप किस प्रकार जनता के काम आते हैं?

अंगूर (डरते हुए) **:** महाराज, हम संसार में मिठास फैलाते हैं।

तरबूज (हाथ जोड़कर) **:** मैं गरमी में लोगों की प्यास बुझाता हूँ।

खरबूजा : मैं गरमी के दिनों में लोगों की थकान मिटाता हूँ।

संतरा (गर्व से) **:** मुझसे बनी मिठाई लोगों को बहुत पसंद है।

अमरूद (इतराते हुए) **:** मुझे देखकर छोटे–बड़े सभी का मन ललचाता है।

जामुन (हँसते हुए) **:** मुझे खाने से जीभ

जामुनी हो जाती है। उसे देखकर बच्चों को बहुत मजा आता है।

(राजा आम सेब की तरफ मुड़ते हैं)

राजा आम (मुस्कराते हुए) **:** मैं आपके काम से परिचित हूँ। रोज सेब खाओ, बीमारी दूर रखो।

सभी (एक साथ) **:** फल राजा की जय हो।

(परदा गिरता है।)

अध्यापन संकेत : फलों के चित्रों का संग्रह करवाकर उनकी पहचान करवाएँ। उचित उतार–चढ़ाव के साथ एकांकी का वाचन करें और बारीकियों पर चर्चा करें। विद्यार्थियों को पात्रों के नाम देकर नाट्यीकरण करवाएँ। इसी प्रकार की अन्य एकांकी लेकर उनके पात्रों का अभिनय करवाएँ। इस एकांकी को कहानी के रूप में सुनाने के लिए कहें। अन्य एकांकी पढ़ने के लिए कहें।

आओ करें

(१) 'र' के जुड़ने के प्रकार (ˆ ‸ ⸝) का उपयोग करते हुए शब्द बनाओ :

....

(२) समझो और बताओ :

(क) क्या खाने से बीमारी दूर रहती है?

(ख) गरमी के दिनों में कौन-सा फल प्यास बुझाता है?

(ग) तुम्हें कौन-सा फल अच्छा लगता है?

(घ) फलों से क्या-क्या बनता है?

(३) वाक्य पढ़ो। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ऐसा क्यों करना चाहिए इसपर चर्चा करो :

(च) यदि वर्षा हो रही है तो पौधों को पानी मत दो।

(छ) अँधेरा हो तो दीया जलाओ।

(ज) माँ मना कर रही हैं तो बाहर मत जाओ।

(झ) यदि कोई अपरिचित हो तो उसके साथ मत जाओ।

(४) अपने सहपाठी द्वारा पढ़ी गईं किन्हीं चार पंक्तियों का श्रुतलेखन करो।

(५) नीचे दी गई तालिका में सब्जियों के नाम ढूँढ़ो और लिखो :

गा		आ	लू	मे
ज	क	लौ		थी
र	क	की	भिं	
	ड़ी		डी	पा
चु	कं	द	र	ल
	मू	ली		क

गाजर..............................

....

....

....

....

....

....

(६) चित्र का निरीक्षण करो और चित्र से संबंधित पाँच वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :

पढ़ो, समझो और बताओ :

हमारे जीवन में भोजन का असाधारण महत्त्व है। भोजन का संतुलित होना आवश्यक है। कई बार हम केवल एक ही व्यंजन अथवा एक ही प्रकार का भोजन करते हैं। इसका हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव होता है। वास्तव में भोजन में सभी प्रकार की साग-सब्जियाँ और दालें हमारे शरीर में लौह तत्त्वों की पूर्ति करती हैं। भोजन के अलावा फलों का सेवन भी किया जाना चाहिए। जंक फूड का लगातार सेवन करने से हमारे स्वास्थ्य में दोष उत्पन्न होता है। हमें घर का ताजा भोजन करना चाहिए।

(च) हमारे लिए कैसे भोजन की आवश्यकता है?

(छ) लगातार किसका सेवन करने से हमारे स्वास्थ्य में दोष उत्पन्न होता है?

बातचीत

समाचारपत्र से किन्हीं तीन समाचारों को पढ़कर सुनाओ।

तुम्हारे घर की पूर्व और पश्चिम दिशा में क्या है, बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पढ़ो और समझो :

५ बुद्‌धिमान खरगोश

– विष्णु शर्मा

किसी जंगल में एक सिंह रहता था। वह पशुओं को मारकर खा जाता था। सभी जानवरों ने मिलकर सिंह से कहा, ''हम आपको खाने के लिए रोज एक पशु भेज दिया करेंगे।'' एक दिन एक खरगोश की बारी आई। वह सिंह के पास बहुत देर से पहुँचा। सिंह ने गरजकर पूछा, ''तूने आने में देर क्यों लगा दी?''

खरगोश बोला, ''रास्ते में आपसे भी शक्तिशाली एक सिंह मिल गया। उससे लौटने का वादा करके मैं आपके पास आया हूँ।'' खरगोश की बात सुनकर सिंह गुस्से से लाल-पीला हो गया। सिंह ने खरगोश से कहा, ''मुझे बताओ, वह कहाँ रहता है?''

बुद्‌धिमान खरगोश सिंह को उस कुएँ के पास ले गया। सिंह ने कुएँ में झाँककर देखा। उसमें सिंह को अपनी परछाई दीखी। परछाई को देखकर वह दहाड़ने लगा। कुएँ से उससे भी जोर से दहाड़ने की आवाज आई। सिंह ने उसको मारने हेतु कुएँ में छलाँग लगा दी और वह कुएँ में डूब गया। खरगोश ने अपने साथियों को सारी बातें सुनाई। वे सब बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने खरगोश को धन्यवाद दिए। अब वे सभी सुख से वन में रहने लगे।

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ कहानी का मुखर वाचन करके विद्यार्थियों को सुनाएँ। छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। उन्हें समूह में अपने शब्दों में कहानी सुनाने के लिए कहें। सुनी हुई कहानी में आपको क्या पसंद और क्या नापसंद है, यह बताने के लिए कहें। कहानी से प्राप्त प्रेरणा, सीख क्या है, यह पूछें और उसपर चर्चा करें। उपयुक्त लय, विराम और आवाज में उतार-चढ़ाव के साथ कहानी के एक-एक परिच्छेद का वाचन करवाएँ। जटिल कथा और कई पात्रों के साथ स्वयं की कहानी बनाने के लिए कहें।

आओ करें

(१) 'बीरबल की चतुराई' की कोई सुनी हुई कहानी घटित घटनाक्रम के साथ सुनाओ।

(२) समझो और बताओ :

(क) खरगोश सिंह के पास कब पहुँचा?

(ख) सिंह ने कुएँ में क्या देखा?

(ग) सिंह कुएँ में छलाँग नहीं लगाता तो क्या होता?

(घ) कुएँ में पानी न होता तो खरगोश क्या करता?

(३) नीचे दिया गया समाचार पढ़ो और समाचार को संक्षेप में बताओ :

पशुओं की देख-भाल संबंधी सावधानियाँ

■ **पुणे संवाददाता**

पुणे, दि. ३० – पशु संरक्षण विभाग के प्रमुख अधिकारियों की सभा का आयोजन पुणे कार्यालय में हुआ। पशुओं की देख-भाल संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके लिए नागरिकों से आवाहन करते हुए योजनाएँ भी बनाई गईं। उनमें पशुओं के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार, विभिन्न शालेय प्रतियोगिताओं तथा अभयारण्य की सैर का आयोजन करना आदि विषय उल्लेखनीय रहे।

(४) नीचे दिए गए अक्षरों से बने पाठ में आए शब्द ढूँढ़ो और लिखो :

सिं	जं	ख	द
हा	र	ड़	प
ग	र	गो	छा
श	ई	ह	ल

(च) ....

(छ) ....

(ज) ....

(झ) ....

(ञ) ....

(५) तुम्हें 'बुद्धिमान खरगोश' की कहानी में क्या पसंद आया और क्या पसंद नहीं आया है, लिखो।

(६) नीचे दिए गए चित्र देखो, समझो और उनसे कहानी बनाकर अपनी कॉपी में लिखो :

बातचीत

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ बनाने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गईं कृतियों का अभ्यास कराएँ।

पढ़ो, समझो और गाओ :

६ देश हमारा

– *शंभुनाथ 'शेष'*

देश हमारा, सबसे न्यारा,
प्यारा हिंदुस्तान।
ऊँचे-ऊँचे पर्वत सुंदर,
अपने पहरेदार।
जल से सदा भरी हैं नदियाँ,
देश बना गुलज़ार।
झरने गाते गीत मनोहर,
सुंदर मीठी तान।
देश हमारा, सबसे न्यारा,
प्यारा हिंदुस्तान।

रंग-बिरंगे पंखोंवाले,
पक्षी करें कलोल।
मोर, पपीहा, तोता, कोयल
बोलें मीठे बोल।
फल-फूलों के बाग-बगीचे,
धरती की हैं शान।
देश हमारा, सबसे न्यारा,
प्यारा हिंदुस्तान।

अध्यापन संकेत : उचित लय-ताल के साथ कविता का गायन करें। विद्यार्थियों से एकल और समूह में गायन करवाएँ। कविता के आशय पर चर्चा करवाएँ। विशेष अवसरों पर उन्हें स्वरचित छोटी कविताओं के गायन तथा प्रस्तुति का अवसर प्रदान करें। उनकी तुकबंदीवाली कविताओं का निरीक्षण कर अंकन करें। अन्य विषय देकर चर्चा करवाएँ। उनपर प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।

आओ करें

(१) देशभक्ति पर आधारित सुनी हुई एक कविता/गीत सुनाओ।

(२) सुनो और बताओ :

(क) भारत के पहरेदार किसे कहते हैं?

(ख) हमारा देश प्यारा हिंदुस्तान क्यों है?

(ग) हमारे देश की क्या विशेषताएँ हैं?

(घ) भारत की धरती की शान क्या है?

(३) पंचतंत्र की दो कहानियाँ पढ़ो और उनकी सीख बताओ।

(४) २६ जनवरी 'गणतंत्र दिवस' के चित्र देखो और यह राष्ट्रीय त्योहार कैसे मनाया जाता है, लिखो :

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

(५) अपने परिसर का निरीक्षण करो और उसके बारे में पाँच वाक्य लिखो :

....

....

....

....

....

(६) अपने पसंद के किसी देशभक्त की जानकारी पढ़ो और उनका कार्य बताओ:

पढ़ो, समझो और बताओ :

महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर के निकट अजंता-एलोरा की गुफाएँ पर्यटन स्थान के रूप में विश्वविख्यात हैं। एलोरा में अर्धगोलाकार पर्वत की चट्टानों को काटकर ३४ गुफाएँ उकेरी गई हैं। उनमें से १६ गुफाएँ अति दर्शनीय हैं। इन गुफाओं में बौद्ध, हिंदू और जैन धर्म से संबंधित विभिन्न प्रसंग उकेरे गए हैं। १६ क्रमांक की गुफा को 'कैलाश गुफा' कहते हैं। यह एक ही अखंडित शिला में उकेरी गई है। एलोरा गुफाओं के समान अजंता की गुफाएँ भी अपनी रंगों की कलाकारिता के लिए चर्चित हैं। लगभग डेढ़ हजार वर्षों के बाद भी ये रंग फीके नहीं पड़े हैं। अजंता-एलोरा गुफाओं को विश्व धरोहर की सूची में स्थान प्राप्त है।

(च) एलोरा में कुल कितनी गुफाएँ हैं?
(छ) अजंता-एलोरा गुफाओं को कौन-सी सूची में स्थान प्राप्त हुआ है?

बातचीत

देखे हुए पालतू और जंगली पशुओं के नाम बताओ।

पालतू जानवरों की उपयोगिता बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ बनाने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गईं कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों को सहायता करें।

पुनरावर्तन-४

(१) निम्नलिखित वाक्यों में आए सर्वनाम पहचानकर बताओ :

(क) आप भोजन कीजिए।
(च) वह पाठशाला गया।
(ख) यह पुस्तक है।
(छ) वे घर गए हैं।
(ग) हम पढ़ते हैं।
(ज) उसने अमरूद खाया।
(घ) तुम कहाँ से आए हो?
(झ) मैं घर जाऊँगी।

(२) निम्नलिखित विरामचिह्नों का उपयोग करके दो वाक्य लिखो :

(ट) प्रश्नवाचक (ठ) पूर्णविराम

वाक्य १) ....

२) ....

(३) अपने सहपाठी की सहायता से निम्नलिखित वाक्यों का श्रुतलेखन करो :

(त) मेरे पास कहानी की पुस्तकें भी हैं। ....

(थ) सिंह ने कुएँ में झाँककर देखा। ....

(द) स्वादानुसार थोड़ा नमक मिलाओ। ....

(ध) हम संसार में मिठास फैलाते हैं। ....

(४) चित्र देखो और इससे संबंधित चार वाक्य लिखो :

....
....
....
....

(५) चित्र में दिखाई देने वाले पात्रों को लेकर अनुमान से कहानी लिखो :

....

....

....

....

....

....

....

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ बनाने के लिए विद्‌यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।

प्रिय विद्यार्थी मित्रो और सहेलियो,

यदि तुम्हें कोई अयोग्य ढंग से स्पर्श करता है और तुम असमंजस या असहज अनुभव करते हो तो तुम कदापि चुप मत रहो । ऐसी घटना होने पर तुम्हें निम्न बातें करना आवश्यक है ।

१) स्वयं को दोष मत दो ।

२) जिन लोगों पर तुम्हें विश्वास है ; उनसे घटित घटना के बारे में बता ओ ।

३) तुम पॉक्सो ई–बॉक्स के माध्यम से तुम्हारे अधिकारों की रक्षा हेतु स्थापित राष्ट्रीय आयोग को भी सूचित कर सकते हो ।

जब कोई तुम्हें अनुचित/अयोग्य ढंग से छूता है/स्पर्श करता है तब तुम्हें बुरा लग सकता है । तुम परेशान और भ्रमित हो सकते हो । तुम स्वयं को असहाय महसूस कर सकते हो परंतु तुम्हें 'बुरा' लगने का कोई कारण नहीं होना चाहिए क्योंकि ऐसी घटना में तुम्हारा कोई दोष नहीं होता है ।

इस बटन को दबाओ ।

POCSO यह e-box ncpcr@gov.in इस वेबसाईट पर उपलब्ध है ।

यदि तुम्हारी आयु १८ वर्ष से कम है और तुम्हें किसी ने सताया है/ तंग किया है और तुम कुछ समझ नहीं पा रहे हो, चिंतित अथवा तनावग्रस्त महसूस कर रहे हो अथवा इस प्रकार की परेशानी अनुभव करने वाले किसी लड़का/लड़की को जानते हो तो तुम १०९८ (दस नौ आठ) पर संपर्क करो । ऐसा करने से तुम्हारा और तुम्हारे मित्रों/सहेलियों का जीवन बदल सकता है ।

चाइल्ड लाइन १०९८ (दस नौ आठ) : यह २४ घंटे टोल फ्री राष्ट्रीय आपातकालीन फोन सेवा है । महिला एवं बालविकास मंत्रालय द्वारा पीड़ित लड़कों/लड़कियों के लिए यह उपक्रम चाइल्ड लाइन फाउंडेशन ने प्रारंभ किया है ।

नए समाज की ओर
Towards a new dawn

- विद्यार्थियों को उनके आयुगुट के अनुसार अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श पहचानने के लिए शारीरिक एवं भावनिक दृष्टि से मार्गदर्शन करें ।

राज्यगीत

जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ।।धृ।।

भिती न आम्हा तुझी मुळी ही गडगडणाऱ्या नभा
अस्मानाच्या सुलतानीला जबाब देती जिभा
सह्याद्रीचा सिंह गर्जतो शिव शंभू राजा
दरी दरीतून नाद गुंजला महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ।।१।।

काळ्या छातीवरी कोरली, अभिमानाची लेणी
पोलादी मनगटे खेळती, खेळ जीवघेणी
दारिद्र्याच्या उन्हात शिजला
निढळाच्या घामाने भिजला
देश गौरवासाठी झिजला
दिल्लीचे ही तख्त राखितो, महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा ।।२।।

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.
हिंदी बालभारती इयत्ता दुसरी (नि:शुल्क वितरण के लिए)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha